दैनिक
नवनीत एक्सप्रेस
भोपाल, ग्वालियर, झांसी एव शिवपुरी से एक साथ प्रकाशित
RNI-MPHIN/2016/71355
राष्ट्रवादी विचार धारा
जय खेड़ापति सरकार
भोपाल, ग्वालियर, शिवपुरी, झाँसी (मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश) से एक साथ प्रकाशित
संपादकः महेन्द्र तिवारी
न डरते है न डराते है, सच उजागर करते हैं
वर्ष : 10 अंकः 253 | भोपाल, मंगलवार 01 जुलाई 2025 | navneetexpress33@gmail.com | पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रुपया

म.प्र. में मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में जन-भागीदारी से जल गंगा संवर्धन अभियान बना जन-आंदोलन : प्रधानमंत्री श्री मोदी

जन-भागीदारी की शक्ति से जल संरक्षण के प्रयास देश की उन्नति में देंगे योगदान

भारतीय संस्कृति में नदियों-कुओं-तालाबों और बावड़ियों के संरक्षण की रही है परंपरा

प्रधानमंत्री के नेतृत्व और दृष्टि ने जल-संरक्षण को राष्ट्रीय चेतना में बदला : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एक बगिया मां के नाम अभियान का हुआ शुभारंभ

जल गंगा संवर्धन अभियान में जल स्रोतों के संरक्षण के लिए हुए कई नवाचार

मुख्यमंत्री ने 1568 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन किया

मुख्यमंत्री ने किया पंचायतों के 578 करोड़ की लागत से 57,207 कार्यों का लोकार्पण

वाटरशेड विकास घटक में 888 जल संरक्षण कार्यों का लोकार्पण

खंडवा जिले की जावर माइक्रो सिंचाई परियोजना सहित सिंचाई 4 परियोजनाओं का लोकार्पण

जीर्णोद्धार की गई 74 जल संरचनाओं का लोकार्पण

वाटरशेड परियोजनाओं की मॉनिटरिंग और मैनेजमेंट के लिए सॉफ्टवेयर का लोकार्पण

खंडवा बायपास सहित अन्य सड़कों के लिए 174 करोड़ रुपए देने की घोषणा

जल गंगा संवर्धन अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जल योद्धा हुए सम्मानित

90 दिवसीय जल गंगा संवर्धन अभियान का हुआ समापन

भोपाल, एजेंसी।

भोपाल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उनकी टीम के जल संवर्धन और संचयन के कार्यों से जल गंगा संवर्धन अभियान को जन-आंदोलन बनते देखना सुखद अनुभूति है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मध्यप्रदेश के लाखों लोगों के परिश्रम, समर्पण और आस्था से संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन अवसर पर प्रेषित अपने संदेश में प्रदेशवासियों, विशेषतः जलदूतों, स्व-सहायता समूह की महिलाओं और किसानों को शुभकामनाएँ दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पानी की एक-एक बूँद बचाने के लिये 90 दिन तक चले जल गंगा संवर्धन अभियान में जन-भागीदारी से हुए कार्यों को ऐतिहासिक बताते हुए प्रदेशवासियों को उनके योगदान के लिये धन्यवाद दिया।प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मध्यप्रदेश के लाखों लोगों के परिश्रम, समर्पण और आस्था से संचालित %जल गंगा संवर्धन अभियान% के समापन अवसर पर जारी अपने संदेश में यह बात कही। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव सहित प्रदेशवासियों को इस सफलता के लिये बधाई भी दी।

लाखों भक्तों की आस्था और श्रद्धा का प्रतीक है श्री धूनी वाले दादा का मंदिरः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भक्तों की बरसों की कामना भूमि-पूजन के साथ हुई पूर्ण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव खण्डवा में श्री दादाजी दरबार भूमि-पूजन महोत्सव में हुए शामिल

भोपाल, एजेंसी।

भोपाल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि श्री धूनी वाले दादाजी मंदिर जिलेवासियों सहित निमाड़ क्षेत्र के भक्तों की आस्था का प्रमुख केंद्र है। यह केवल एक मंदिर नहीं लाखों भक्तों की आस्था एवं उनकी श्रद्धा का प्रतीक है। मंदिर निर्माण की कई बरसों पूर्व की कामना आज शिलान्यास के साथ पूर्ण हुई जो एक नए आध्यात्मिक युग का प्रारंभ हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को खंडवा में आयोजित श्री दादाजी दरबार भूमि-पूजन महोत्सव में पहुँचकर समाधि के दर्शन और पूजन-अर्चन किया। उन्होने भव्य मंदिर निर्माण के लिए भूमि-पूजन स्थल पर पुष्प अर्पित किए।

संक्षिप्त समाचार

स्क्वाड समूह के विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल हो रहे जयशंकर करेंगे हिंद-प्रशांत क्षेत्र साझा दृष्टिकोण पर चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर तीन दिवसीय यात्रा पर अमेरिका के लिए रवाना हो रहे है। इस दौरान वे क्वाड समूह के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने और स्वतंत्र व खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साझा दृष्टिकोण को मजबूत करने पर केंद्रित चर्चा करने वाले है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि जयशंकर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के निमंत्रण पर 30 जून से 2 जुलाई तक अमेरिका यात्रा पर जा रहे है। यात्रा के दौरान वे 1 जुलाई को आयोजित होने वाली क्वाड बैठक में भाग लेने वाले हैं, जो इस साल 21 जनवरी को वॉशिंगटन में हुई पिछली बैठक की चर्चाओं का विस्तार होगी। जयशंकर यात्रा के दौरान न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय भी जाएंगे, जहां वे ÷ह्यूमन कॉस्ट ऑफ टेररिज्म÷ नामक एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करने वाले है। यह प्रदर्शनी आतंकवाद के मानवीय प्रभाव को उजागर करने के उद्देश्य से लगाई जा रही है। यह यात्रा तब हो रही है जब हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा चुनौतियाँ, मालवाहक मार्गों की स्वतंत्रता, और रणनीतिक सहयोग की आवश्यकता तेजी से बढ़ रही है। भारत के लिए यह बैठक रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने और वैश्विक मंचों पर अपनी भूमिका मजबूत करने का एक प्रमुख अवसर मानी जा रही है।

जीएसटी के 8 साल पूरेः पिछले 5 साल में दोगुनी हुई टैक्स वसूली, 2024-25 में हर महीने रु 1.84 लाख करोड़ टैक्स कलेक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त वर्ष 2024-25 में ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन 22.08 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है।आज देश में जीएसटी लागू हुए 8 साल पूरे हो गए हैं। 1 जुलाई 2017 को देश में तस्स्र लागू किया गया था। इस दौरान टैक्स कलेक्शन के आंकड़ों ने नया रिकॉर्ड

बनाया है। वित्त वर्ष 2024-25 में ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन 22.08 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है, जो 5 साल पहले 2020-21 में सिर्फ 11.37 लाख करोड़ था। यानी, 5 साल में टैक्स वसूली लगभग दोगुनी हो गई है। 2024-25 में हर महीने औसत जीएसटी कलेक्शन 1.84 लाख करोड़ रुपए रहा। ये 5 साल पहले 2020-21 में 95 हजार करोड़ रुपए था। जीएसटी लागू होने के वक्त 2017 में रजिस्टर्ड टैक्सपेयर्स की संख्या 65 लाख थी, जो अब बढ़कर 1.51 करोड़ से ज्यादा हो गई है। इससे सरकार का टैक्स बेस भी मजबूत हुआ है। सरकार का कहना है कि तस्स्र लागू होने के बाद टैक्स कलेक्शन और टैक्स बेस दोनों में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। इससे देश की फिस्कल पोजिशन मजबूत हुई है और टैक्स सिस्टम ज्यादा पारदर्शी और आसान बना है।

ब्रिक्स में शामिल होंगे पीएम नरेन्द्र मोदी

27 साल बाद किसी भारतीय पीएम का होगा पहला घाना और नामीबिया दौरा

नई दिल्ली, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जल्द घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया का दौरा करने वाले हैं। सचिव (आर्थिक संबंध) दम्मू रवि ने सोमवार को बताया कि प्रधानमंत्री 2 से 3 जुलाई को घाना का दौरा करेंगे। यह यात्रा 30 साल बाद हो रही है। राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा ने हाल ही में भारी जीत के बाद पदभार संभाला है। भारत और घाना के बीच ऐतिहासिक संबंध हैं। दशकों से कई क्षेत्रों में हमारे संबंध विकसित हुए हैं।

उन्होंने कहा,दोनों देश अपने आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करेंगे। आर्थिक मुद्दे वार्ता का मुख्य विषय होंगे। भारत और घाना के बीच करीब 3 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार है, जिसमें सोने के आयात का बड़ा योगदान है। इस दौरे के दौरान कृषि, पश्चिम अफ्रीका में टीका विकास केंद्र, रक्षा सहयोग, महत्वपूर्ण खनिज और डिजिटल सार्वजनिक ढांचे पर फोकस किया जाएगा। कुछ समझौतों पर हस्ताक्षर भी किए जाएंगे।

27 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री का नामीबिया दौरा

रवि ने बताया, प्रधानमंत्री मोदी 9 जुलाई को नामीबिया का दौरा करेंगे। यह यात्रा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह 27 साल बाद हो रही है। भारत और नामीबिया के बीच लगभग 600 मिलियन डॉलर का व्यापार है, जो थोड़ा बहुत भारत के पक्ष में ही है। निवेश 800 मिलियन डॉलर के करीब हैं। भारत ने नामीबिया से कुछ चीतों को लाकर कुनो नेशनल पार्क में उनकी आबादी बढ़ाई है। यह परियोजना विकास सहयोग, क्षमता निर्माण, रक्षा सहयोग और नामीबिया के कर्मचारियों के रक्षा प्रशिक्षण में बहुत सफल रही है। हमने सूचना तकनीकी के क्षेत्र में उत्कृष्टता केंद्र भी स्थापित किया है। दोनों देशों के बीच यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरऑपरेबिलिटी टेक्नोलॉजी के समझौते हुए हैं। नामीबिया प्राकृतिक संसाधनों और खनिजों में समृद्ध देश है। इसमें यूनियनम, तांबा, कोबाल्ट, दुर्लभ पृथ्वी के तत्व, लिथियम और ग्रेफाइट बड़े पैमाने पर पाए जाते हैं। नामीबिया ने नए तेल क्षेत्रों की भी खोज की है। उन्होंने बताया, 17वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 6 और 7 जुलाई को ब्राजील में हो रहा है। इस सम्मेलन का विषय समावेशी और सतत शासन के लिए वैश्विक दक्षिण सहयोग को मजबूत करना है । भारत अगले साल ब्रिक्स की अध्यक्षता करेगा।

तेलंगाना की केमिकल फैक्ट्री में धमाका, 10 मजदूरों की मौत

20 घायल

पशमिलाराम के सिगाची इंडस्ट्री में रिएक्टर फटने से लगी आग, कई श्रमिक अब भी फंसे होने की आशंका

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के निकट संगारेड्डी के पशमिलाराम इंडस्ट्रियल एस्टेट में सोमवार सुबह एक केमिकल फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट से कम से कम 10 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। हादसा सिगाची फार्मा कंपनी में उस समय हुआ जब फैक्ट्री के रिएक्टर में तेज धमाके के साथ विस्फोट हो गया। विस्फोट के साथ ही तेज आग फैल गई, जिससे अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कई मजदूर जान बचाने के लिए भागते नजर आए।

हादसा जिले के पाशमिलारम औद्योगिक क्षेत्र में स्थित सिगाची केमिकल इंडस्ट्री में सुबह लगभग 7 बजे हुआ। घटना पर तेलंगाना फायर डिपार्टमेंट ने बताया, कि मौके पर 11 दमकल गाड़ियां और कई एंबुलेंस तैनात की गई हैं। अब तक 14 घायलों को फैक्ट्री से बाहर निकाल कर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना में जहां 10 मजदूरों की मौत हो गई, जिसकी फिलहाल आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है वहीं करीब 20 लोगों के घायल होने की खबर है। कुछ श्रमिकों के अंदर फंसे होने की आशंका बनी हुई है। पुलिस और फायर अधिकारियों ने पुष्टि की है कि घटना का कारण रिएक्टर विस्फोट ही प्रतीत होता है। सीनियर प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच चुके हैं और विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है।

हमारी संस्कृति सभी जीवों में ईश्वर की उपस्थिति को देखती हैः राष्ट्रपति मुर्मू

दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं राष्ट्रपति ने बच्चों को दिए जीव कल्याण के मंत्र

आजाद एक्सप्रेस, बरेली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार को यूपी के बरेली में भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं। इस मौके पर उन्होंने कहा हमारी संस्कृति ईशावास्यम् इदं सर्वम् के जीवन मूल्य पर आधारित है, जो सभी जीवों में ईश्वर को देखती है। हमारे देवताओं और ऋषियों ने पशुओं से संवाद करने की मान्यता भी इसी सोच पर आधारित है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने दीक्षांत समारोह में छात्रों से कहा कि मनुष्य का वनों और वन्य जीवों के साथ सह-अस्तित्व का रिश्ता है। कई प्रजातियां या तो विलुप्त हो गई या विलुप्त होने की कगार पर हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन प्रजातियों का संरक्षण जैव विविधता और पृथ्वी के स्वास्थ्य के लिए अहम है। ईश्वर ने मनुष्य को जो सोचने-समझने की शक्ति दी है, उसका इस्तेमाल सभी जीवों के कल्याण के लिए किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी ने मानव जाति को चेताया है कि उपभोग पर आधारित संस्कृति न केवल मानव जाति को बल्कि अन्य जीव-जंतुओं और पर्यावरण को भी अकल्पनीय क्षति पहुंचा सकती है। आज दुनिया भर में एक स्वास्थ्य की अवधारणा को महत्व दिया जा रहा है।

अमेरिकी सांसद ने जोहरान को हाथ से खाना खाने को लेकर घेरा, बोले-

पश्चिमी तौर-तरीके सीखो, अन्यथा अपने पिछड़े देश जाओ

न्यूयॉर्क में मेयर उम्मीदवार हैं भारतीय मूल के जोहरान, सोशल मीडिया पर मचा हंगामा

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी।

भारतीय मूल के न्यूयॉर्क मेयर पद के उम्मीदवार जोहरान ममदानी का हाथ से दालखा-चावल खाना कुछ लोगों को भाया नहीं है। यहां तक कि एक अमेरिकी सांसद ने तो यहां तक कह दिया कि पश्चिमी तौर-तरीके सीखो अन्यथा अपने पिछड़े देश वापस चले जाओ। वैसे हाथ से खाना खाते हुए जोहरान का वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वीडियो में वे फिलिस्तीन मुद्दे पर अपनी राय रखते भी नजर आ रहे हैं।

इस वीडियो को लेकर अमेरिका के रिपब्लिकन सांसद ब्रैंडन गिल ने नस्लीय टिप्पणी करते हुए कहा है, कि अगर आप पश्चिमी तौर-तरीके नहीं अपना सकते, तो अपने पिछड़े देश वापस चले जाइए। गिल

ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा कि सभ्य समाज इस तरह से खाना नहीं खाता, जिसके बाद से सोशल मीडिया पर तीखी बहस छिड़ गई है। उनके इस बयान को न केवल नस्लवादी और सांस्कृतिक असहिष्णुता का उदाहरण माना जा रहा है, बल्कि कई अमेरिकियों ने भी उनकी आलोचना की है।

सोशल मीडिया पर पलटा गिल पर हमला

ब्रैंडन गिल की टिप्पणी के बाद उन्हें ट्रोल करते हुए लोगों ने लिखा है, कि क्या आप चॉपस्टिक से खाने पर भी आपत्ति जताते हैं? टैको, फ्राइज और बर्गर आप कैसे खाते हैं? कांटे-चम्मच से? एक अन्य ने लिखा, ये उनकी नीतियों पर बहस नहीं कर पा रहे, इसलिए अब संस्कृति पर हमला कर रहे हैं।

दिखावे का आरोप

हालांकि विवाद का एक और पहलू भी सामने आया है। कुछ यूज़र्स ने जोहरान ममदानी पर कैमरे के सामने सांस्कृतिक पहचान का दिखावा करने का आरोप लगाया है। एक यूजर ने उनकी पुरानी फोटो शेयर की, जिसमें वे चाकू-कांटे से खाते दिख रहे हैं और लिखा, कैमरे के सामने ही अचानक देसी क्यों बन जाते हैं?

वीडिया में जोहरान ने कहा

वायरल वीडियो में जोहरान ममदानी कहते हैं, कि जब आप किसी थर्ड वर्ल्ड देश से पले-बढ़े होते हैं, तो फिलिस्तीनी संघर्ष को बेहतर तरीके से समझते हैं। उनका यह बयान भी चर्चा में है।

प्रदेश अध्यक्ष चयन से नाराज भाजपा विधायक टी. राजा ने पार्टी से दिया इस्तीफा

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना की राजनीति में सोमवार को एक बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया, जबकि गोशामहल से भाजपा विधायक टी. राजा सिंह ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने पूर्व एमएलसी डॉ. रामचंदर राव को पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने की खबरों को लेकर गहरी नाराजगी जताई और इसे भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए सदमे जैसा बताया है।

भाजपा विधायक टी. राजा सिंह ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी को भेजे गए त्यागपत्र में लिखा है कि, बहुत सारे लोग चुप हैं, पर यह चुप्पी सहमति नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी में अब चुनिंदा लोग पर्दे के पीछे से निर्णय ले रहे हैं, जिससे कार्यकर्ताओं और मतदाताओं का पार्टी जुड़ाव कमजोर हो रहा है। टी राजा ने अपने इस्तीफे में यह भी कहा कि उनका पत्र किसी निजी महत्वाकांक्षा के चलते नहीं है, बल्कि यह उन लाखों निष्ठावान कार्यकर्ताओं की पीड़ा को दर्शाता है जिन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश जाटव एवं कलेक्टर चौहान ने बाँटे स्वीकृति पत्र

धरती आबा जनभागीदारी अभियान के तहत हुआ जिला स्तरीय कार्यक्रम

ग्वालियर।नगर संवाददाता

ग्वालियर धरती आबा जनभागीदारी अभियान में शामिल ग्वालियर जिले के 10 आदिवासी बहुल गाँवों में अनुसूचित जन जाति के शेष पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित कराने के लिये 15 से 30 जून तक विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के आखिरी दिन जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुँवर सिंह जाटव के मुख्य आतिथ्य एवं कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, जनपद पंचायत घाटीगाँव की अध्यक्ष श्रीमती सरला राठौर व जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक कुमार की मौजूदगी में आयोजित हुए कार्यक्रम में जनजाति के हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र सौंपे गए। जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश जाटव ने इस अवसर पर कहा कि धरती आबा अभियान से अनुसूचित जनजाति के लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव आ रहा है। सरकार की मंशा है कि अनुसूचित जनजाति के लोग न केवल आत्मनिर्भर बनें, बल्कि सम्मानपूर्वक अपना जीवन जिएं। इसी भाव के साथ प्रधानमंत्री जनजाति जनभागीदारी अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने कार्यक्रम में मौजूद अनुसूचित जनजाति के हितग्राहियों से कहा कि वे अपने गाँव की ग्राम सभा में भाग लेकर ऐसे कामों को चिन्हित करें, जिससे गाँव की तरक्की हो। उन्होंने आह्वान किया कि नए शिक्षा सत्र में गाँव का कोई भी बच्चा स्कूल में दाखिल होने से वंचित नहीं रहना चाहिए। बच्चे न केवल स्कूल में प्रवेश लें बल्कि हर रोज पढ़ने भी आएं। आप सबके बच्चे भी पढ़ लिखकर उद्यमी व आईएएस व आईपीएस के साथ विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हासिल कर सकते हैं। धरती आबा अभियान के तहत चलाए गए 15 दिवसीय विशेष अभियान के आखिरी दिन यहाँ पुराने झांसी रोड पर शासकीय अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास परिसर में आयोजित हुए कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पाँच हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र, 10 आयुष्मान कार्ड व 6 आधार कार्ड वितरित किए गए। साथ ही सरकार की अन्य योजनाओं के तहत हितलाभ बाँटे गए। अभियान के तहत पिछले 15 दिनों के दौरान जिले के चिन्हित 10 ग्रामों में सरकार की 30 योजनाओं से अनुसूचित जनजाति के हितग्राहियों को लाभान्वित कराया गया। आरंभ में अतिथियों ने भगवान बिरसा मुण्डा व बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सहायक आयुक्त जनजाति कल्याण एवं संयुक्त कलेक्टर श्री सुरेश कुमार बरहादिया ने अभियान पर विस्तार से प्रकाश डाला।

खास खबर

संभागीय आयुक्त श्री खत्री ने की जीडीए के विकास योजनाओं की समीक्षा

ग्वालियर / ग्वालियर विकास प्राधिकरण में किए जा रहे कार्यों एवं भविष्य की योजनाओं की समीक्षा सोमवार को ग्वालियर संभाग के आयुक्त श्री मनोज खत्री ने की। उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तार से समीक्षा कर प्राधिकरण के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। संभागीय आयुक्त कार्यालय के सभागार में प्राधिकरण के कार्यों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय, डीएफओ श्री अंकित पाण्डेय, ग्वालियर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री नरोत्तम भार्गव, संयुक्त संचालक ग्राम एवं नगर निवेश की कुशवाह सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। संभागीय आयुक्त श्री खत्री ने ग्वालियर विकास प्राधिकरण की योजनाओं की समीक्षा की। इसके साथ ही भविष्य की योजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा की।

जौरासी में डॉ. भीमराव अंबेडकर धाम के द्वितीय चरण के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वीकृत कराई 12 करोड़ से अधिक राशि

डॉ. अंबेडकर के विचारों को साकार करेगा यह प्रेरणास्पद धाम

ग्वालियर में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की स्मृति में निर्मित किए जा रहे ÷अंबेडकर धाम÷ के द्वितीय चरण के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 12 करोड़ 16 लाख 42 हजार रूपए की राशि स्वीकृत कराई गई है। यह राशि राज्य स्तरीय डीएमएफ मद से स्वीकृत की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर के विचारों के अनुरूप सामाजिक न्याय, समरसता और समानता के विचारों को जन-जन तक पहुँचाने की उद्देश्य से अम्बेडकर धाम को भव्य रूप देने का निर्णय लिया है। इसी उद्देश्य से द्वितीय चरण के लिये उन्होंने धनराशि मंजूर कराई है। अम्बेडकर धाम निर्मित करने का उद्देश्य डॉ. अंबेडकर के संघर्ष, विचार और संवैधानिक मूल्यों को भावी पीढ़ियों तक पहुँचाना है। इस स्थल पर न केवल उनकी स्मृति को संजोया जाएगा, बल्कि यह शिक्षा, अध्ययन और प्रेरणा का एक जीवंत केंद्र भी बनेगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गत 28 जून को ग्वालियर प्रवास के दौरान जौरासी स्थित भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर धाम का अवलोकन करने के साथ ही द्वितीय चरण शीघ्र प्रारंभ करने की बात भी कही थी। मुख्यमंत्री द्वारा ग्वालियर में की गई घोषणा के तीन दिन के भीतर द्वितीय चरण के लिये प्रस्ताव अनुरूप 12 करोड़ 16 लाख 42 हजार रूपए की राशि स्वीकृत करा दी है। डॉ. अम्बेडकर धाम के प्रथम चरण में ग्राउण्ड फ्लोर पर 10 मीटर ङ्ग 15 मीटर के 6 म्यूजियम हॉल, एक लाइब्रेरी 200 क्षमता का एक ऑडिटोरियम एवं म्यूजियम शॉप इत्यादि का निर्माण किया जा रहा है। इसके साथ ही द्वितीय चरण में भवन के प्रथम फ्लोर प्रांगण में गेस्ट हाउस, सड़क, पार्किंग, लाइट एण्ड साउण्ड शो आदि के स्ट्रक्चर का निर्माण कार्य कर अम्बेडकर धाम को भव्य स्वरूप प्रदान किया जायेगा।

जिन पुल-पुलियों के ऊपर से पानी बहता है उन सभी पर लगाएं ड्रॉप गेट व शाइनेज : कलेक्टर रुचिका चौहान

ग्वालियर।नगर संवाददाता

ग्वालियर । जिले में बरसात के दौरान जिन पुल-पुलियों के ऊपर से पानी बहने की स्थिति बनती है, ऐसे शत-प्रतिशत पुल-पुलियों पर ड्रॉप गेट व आम लोगों को सावधान करने के लिये शाइनेज बोर्ड लगाए जा रहे हैं। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने अंतरविभागीय समन्वय बैठक में इसका प्रजेंटेशन देखा। साथ ही सड़क एवं पुल-पुलियों के निर्माण से जुड़े विभागों के अधिकारियों को शेष पुल-पुलियों पर शाइनेज लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले के सभी एसडीएम को अपने-अपने क्षेत्र में इसका सत्यापन कराने की हिदायत दी है। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने सभी पुल-पुलियों पर लगाए गए शाइनेज व ड्रॉप गेट के फोटोग्राफ मांगे हैं। बैठक में कलेक्टर श्रीमती चौहान ने विशेष जोर देकर कहा कि किसी भी जर्जर स्कूल भवन के कक्ष में स्कूल की कक्षायें कदापि न लगाई जाएं। भवन जर्जर होने पर नजदीकी शासकीय भवन में कक्षायें संचालित की जा सकती हैं। जर्जर भवन की सूचना तत्काल जिला पंचायत सीईओ को दी जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिले में संचालित सभी विभागों के छात्रावासों की पानी की टंकियों की साफ-सफाई व क्लोरीनेशन कराएं। साथ ही स्कूल परिसर में बरसात की वजह से उग आए घास-फूस व झाड़ियों की सफाई व बिजली वायरिंग की जाँच भी प्रमुखता से कराई जाए। यदि किसी छात्रावास व स्कूल के कक्ष में पानी टपकने की स्थिति बनी हो तो वाटर प्रूफिंग के साथ-साथ तात्कालिक रूप से तिरपाल भी लगवाई जाए। उन्होंने सहायक आयुक्त जनजाति कल्याण, जिला शिक्षा अधिकारी, डीपीसी, संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ इन कामों को अंजाम देने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कहा कि जिले में उपलब्ध सभी आधार मशीनों का भरपूर उपयोग करें और आधार अपडेशन के काम को जल्द से जल्द कराया जाए। उन्होंने कहा कि प्रायवेट आधार संशोधन केन्द्रों के बाहर इस आशय का फ्लैक्स लगवाएं कि वहाँ आधार से संबंधित कौन-कौन से कार्य किए जाते हैं। कलेक्टर ने विशेष बल देकर कहा कि बैंकों में उपलब्ध पब्लिक यूज वाली आधार मशीनों को बैंक के आहर लगवाएं, जिससे उनका अधिक से अधिक उपयोग हो। साथ ही कहा कि जो बैंक आधार अपडेशन कार्य में ढ़िलाई बरतेंगे उनके खिलाफ कार्रवाई प्रस्तावित की जायेगी। बैठक में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने सभी विभागों के अधिकारियों को लक्ष्य के अनुसार गड्ढे तैयार कर पौधे रोपने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक कुमार, अपर कलेक्टर कुमार सत्यम व टी एन सिंह मौजूद थे।

सेवानिवृत्त हुए पुलिस अधिकारी व कर्मियों को एसपी धर्मवीर ने दी विदाई

ग्वालियर।नगर संवाददाता

ग्वालियर। सेवानिवृत्ति के उपरांत सभी पुलिस अधिकारी और कर्मचारी अपने आपको सामाजिक कार्यों में व्यस्त रखें। जिससे अभी तक की दिनचर्या से वह बाहर निकल सकेंगे। पुलिस सेवा में काम करते हुये पुलिसकर्मी को परिवार के लिये कम समय मिल पाता है। सेवानिवृत्ति के बाद अपने परिवार को भी समय दें और परिवार का ध्यान रखें। यह बात वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने सोमवार को अपनी लंबी पुलिस सेवा से सेवानिवृत हुये पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की विदाई समारोह में कहीं। सोमवार को पुलिस कन्ट्रोल रूम सभागार में पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त हो रहे 10 पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों का विदाई समारोह आयोजित किया गया। विदाई समारोह में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त हो रहे पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों को प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह देकर विदाई दी। कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने कहा कि सेवानिवृत्ति के उपरांत सभी पुलिस अधिकारी और कर्मचारी अपने आपको सामाजिक कार्यों में व्यस्त रखें। जिससे अभी तक की दिनचर्या से वह बाहर निकल सकेंगे। पुलिस सेवा में काम करते हुये पुलिसकर्मी को परिवार के लिये कम समय मिल पाता है। इस मौके पर अति0 पुलिस अधीक्षक (मध्य) श्रीमती सुमन गुर्जर, रक्षित निरीक्षक रणजीत सिंह सिकरवार, मुख्य लिपिक नरेन्द्र तुनिया, सउनि (एम) अभिषेक पाराशर उपस्थित थे। यह हुये सेवानिवृत सेवानिवृत होने वाले पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों में उनि0(अ) मोहन कुमार घनघोरिया, उनि0 रामनरेश शर्मा, सउनि0 शिशुपाल सिंह सिकरवार, सउनि0 राजेश सिंह भदौरिया, सउनि0 पर्वत सिंह यादव, प्र.आर0 रजवीर सिंह भदौरिया, प्र.आर0 सुधीर कुमार कबटियाल, प्र.आर देवेन्द्र सिंह राणा, प्र.आर0 कैलाश सिंह यादव, प्रयोगशाल तकनीशियन राजकुमार रोहित शामिल हैं।

माहौर ग्वार्रे वैश्य महासभा 1923 राष्ट्रीय अध्यक्ष बने दिनेश बांदिल

दैनिक नवनीत एक्सप्रेस संवाददाता हर्षित दुबे
मो.83495986624

ग्वालियर/मुरैना अखिल भारतीय माहौर ग्वार्रे वैश्य समाज 1923 के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने दिनेश बांदिल समाज का यह राष्ट्रीय चुनाव देश के विभिन्न राज्यों में 22 जून से 29 जून तक संपन्न हुआ जिसकी मतगणना आज मुरैना स्थित काशीबाई की धर्मशाला में प्रातः 10-00 बजे से प्रारंभ हुई जिसमें लश्कर ग्वालियर निवासी दिनेश बांदिल पुत्र स्वर्गीय गंगाराम बांदिल ने अपने प्रतिद्वंद्वी बानमोर निवासी प्रवीण गुप्ता को 1462 मतों से पराजित किया पूरे देश में कुल3552 मतदाताओं ने अपने मतदान का प्रयोग किया जिसमें दिनेश बांदिल को2481 मत प्राप्त हुए वहीं उनके प्रतिद्वंदी प्रवीण गुप्ता को 1019 में प्राप्त हुए इस प्रकार दिनेश बांदिल ने 1462 वोटो से विजय प्राप्त की इस अवसर पर विजयी प्रत्याशी दिनेश जी ने कहा कि समाज की दिशा बदलने से दशा बदलती है उन्होंने कहा मेरा प्रथम प्रयास रहेगा कि समाज को एकजुट करना और पिछले काफी समय से समाज की जागरण पत्रिका बंद पड़ी हुई थी उसे प्रारंभ करना एवं समाज हित में कार्य करना मेरी पहली प्राथमिकता है

निगम सेवा से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को दी विदाई

ग्वालियर।नगर संवाददाता

ग्वालियर। सभापति मनोज तोमर ने कहा कि आज निगम सेवा से सेवानिवृत्त होने वाले सभी कर्मचारी स्वस्थ रहें, जिस प्रकार निगम की सेवा पूरे मन से की है उसी प्रकार अब पूरे मन से परिवार को समय देना। इस अवसर पर सेवानिवृत्त होने वाले सभी कर्मचारियों को शॉल, श्रीफल प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा कर्मचारियों के पीएफ की राशि बैंक खाते में पहुँचाई गई। इस अवसर पर उपनेता सत्तापक्ष मंगल यादव आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सचिव बृजेश श्रीवास्तव ने किया। जलविहार स्थित सभा भवन में आयोजित सेवानिवृत कर्मचारियों के विदाई समारोह में सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों में सा.प्र. विभाग से संजीव मिश्रा, पार्क से महेश कुशवाह, उप स्वच्छता पर्यवेक्षक लक्ष्मण पुत्र रामदयाल, सफाई संरक्षक जगदीश पुत्र रामप्रसाद आदि शामिल हैं।

जेयू: छात्रों द्वारा लगाई गई चित्रकला प्रदर्शनी को देख कुलगुरू ने कहा अतिसुंदर

दैनिक नवनीत एक्सप्रेस संवाददाता हर्षित दुबे
मो.83495986624

ग्वालियर। जीवाजी विश्वविद्यालय में सोमवार को डिस्टेंस के ड्राइंग और पेंटिंग के छात्रों द्वारा चित्रकला प्रदर्शनी लगाई गई।प्रदर्शनी को देखने के बाद कुलगुरू ने कहा यह बहुत सुंदर एक प्रयास है। पेंटिंग किसी भी स्थान को जीवंत बनाती है।कला भावनाओं का सबसे बेहतर प्रदर्शन है।कला के माध्यम से समाज सुधार किया जा सकता है।छात्रों ने चित्रकला के माध्यम से विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों को दिखाया। प्रदर्शनी में छात्रों ने विश्वविद्यालय की कई कलाकृतियां प्रदर्शित की।प्रदर्शनी के अवलोकन के दौरान कुलगुरू को अनेक कलाकृतियां प्रभावशाली लगीं। उन्होंने कहा कि कलाकार समाज का महत्वपूर्ण अंग होता है वह अपनी कला के माध्यम से समाज का मार्गदर्शन करता है। कलाकृतियां मानव जीवन को बेहतर और खूबसूरत बनाती हैं।

भाग्य को संवार देती है भागवत: नवीन बिहारी कोयला वाले हनुमान मंदिर पर श्रीमद्भागवत कथा आरंभ

ग्वालियर।नगर संवाददाता

ग्वालियर। भागवत चार अक्षरों से मिलकर बनी है। भ से भक्ति, ग से ज्ञान, व से वैराग और त से त्याग. जिस व्यक्ति के जीवन में चारों आ जाते हैं वह खुद भागवत स्वरूप हो जाता है। भागवत मनुष्य के बिगड़े भाग्य को संवार देती है। यह विचार बुंदेलखंड से आए कथा प्रवक्ता पं नवीन बिहारी महाराज ने स्टोनपार्क कोयला वाले हनुमान मंदिर पर कथा के प्रथम दिवस श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। कथा से पूर्व भव्य कलश यात्रा भी निकाली गई, जो पो वाले बाबा बाइपास से आरंभ होकर कोयला वाले हनुमान मंदिर पहुंची। उन्होंने कहा कि बचपन में मां, जवानी में महात्मा और बुढापे में जिसे परमात्मा का आश्रय मिल जाता है, उसका जीवन धन्य हो जाता है। जो व्यक्ति धोखे से भी कथा सुन लेता है, भगवान उसका कल्याण कर देते हैं। उन्होंने कहा कि हम संसार में भौतिक संसाधन जुटाने में ही सारा समय गुजार देते हैं,जो साथ जाना ही नहीं हैं, जबकि जो साथ जाना है भगवान का नाम उसे नही जुटाते हैं। इसलिए भगवत नाम की पूंजी को निरन्तर जमा करते रहे। पता नहीं कब भगवान के घर से बुलावा आ जाए। मृत्यु का सदा स्मरण करें, क्योंकि यदि सदा मरने का ध्यान रहेगा कि हमें मरना भी भी है, तो किसी के साथ गलत करने का मन नहीं होगा. किसी के साथ अच्छा भले न करें, लेकिन बुरा कदापि न करें। मौत याद रहेगी तो बुरा कर्म होगा ही नहीं। इस मौके पर मंदिर के चरण सेवक संतोष भैया, कथा संयोजक प्रेम बरोनियां, कथा परीक्षत सुंदरलाल दीवान, लीलावती बघैल, रूमाली आदराम, टीकाराम,रामबेटी समैत सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

भदौरिया प्रांत प्रचार प्रमुख नियुक्त

ग्वालियर। विगत दिवस हिंदू जागरण मंच मध्य भारत प्रांत के अभ्यास वर्ग में नवीन दायित्वों की घोषणा की गई। विदिशा जिले के गंजबासौदा में संपन्न अभ्यास वर्ग में ग्वालियर के लोकेंद्र सिंह भदौरिया को नया प्रांत प्रचार आयाम प्रमुख बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि आर एस एस के आनुषांगिक संगठन हिंदू जागरण मंच द्वारा इस वर्ष आंतरिक सुरक्षा, पर्यावरण, कुटुंब प्रबोधन और महिला सुरक्षा सम्मान जैसे मुद्दों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है। श्री भदौरिया को नवीन दायित्व मिलने पर हिंदूवादी नेताओं और शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त कर बधाई दी है।

ग्वालियर की बेटी खुशी गोयल ने आजीवन ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के माध्यम से चुना विश्व सेवा का मार्ग

ग्वालियर।नगर संवाददाता

उच्च शिक्षा के बाद चुनी आध्यात्म की राह

ग्वालियर- माउंट आबू के शांतिवन स्थित ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के अंतराष्ट्रीय मुख्यालय मे समर्पण समारोह का कार्यक्रम हुआ। इसमें देश भर से आई 100 बेटियों ने परमात्मा शिव को अपना जीवन साथी मानते हुए ब्रह्माकुमारी बनने का संकल्प लिया। इसी में ग्वालियर की बेटी खुशी गोयल ने भी अपना पूरा जीवन आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत का पालन करते हुए विश्व सेवा हेतु समर्पित किया। अब वह आध्यात्म के मार्ग पर चलकर अनेक लोगो को श्रेष्ठ जीवन जीने का मार्ग प्रशस्त करेंगी। आपको बता दें कि समारोह में बेटियों ने शिवलिंग को वरमाला पहनाकर अपना जीवन ईश्वरीय सेवा मे समर्पित किया। मुख्यालय के शान्तिवन स्तिथ डायमंड हॉल मे लगभग 5 हज़ार भाई बहने इस कार्यक्रम के साक्षी बने उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद बेटियों ने अध्यात्म की ओर अपने कदम बढ़ाते हुए अपने जीवन को ईश्वरीय सेवा के लिए समर्पित किया। समारोह मे माता पिता ने अपनी बेटियों का हाथ संस्थान की वरिष्ठ दादियों के हाथ में सौपा। बेटियों को देवी स्वरुपा मानते हुए माता पिता ने अपने आपको धन्य बताया। विनय नगर सेवाकेंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी ज्योति बहन ने बताया कि समर्पण की प्रक्रिया आसान नहीं होती है। पहले उनके आचरण और चरित्र को देखा जाता है एवम माता पिता की अनुमति के बाद उनको सेवाकेंद्र पर रखा जाता है। ततपश्चात उनकी फ़ाइल संस्थान के अंतराष्ट्रीय मुख्यालय में भेजी जाती है। लगभग 5 वर्षों की अध्यात्मिक यात्रा के बाद उनको समर्पित किया जाता है।

दिनदहाड़े अधेड़ की हत्या का प्रयास करने वाले 24 घंटे में नहीं पकड़े तो कोतवाली का होगा घेराव

- बैरियर चैराहे पर दिनदहाड़े अधेड़ की हत्या के प्रयास से कुशवाह समाज में आक्रोश

निज संवाददाता

मुरैना। रविवार की दोपहर बैरियर चैराहे पर दिन दहाड़े छेड़छाड़ करने के मामले में वांछित चार आरोपियों द्वारा लड़की के पिता को सड़क पर डालकर बेसबॉल के डंडे से मारपीट कर पत्थर से उसके दोनों पैर कुचलकर हत्या किए जाने के प्रयास मामले में अब कुशवाह समाज एकजुट होकर आंदोलन करने के मूड में आ गया है। कुशवाह समाज के लोगों ने सोमवार को मीडिया के समक्ष कहा है कि 24 घंटे में आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो कुशवाह समाज के लोग कोतवाली का घेराव करेंगे।उल्लेखनीय है कि जौरा के कांसपुरा के रहने वाला 50 वर्षीय अधेड़ अपने बेटे के साथ रविवार दोपहर 1 बजे मुरैना से ग्वालियर जाने की तैयारी में थे। तभी छेड़छाड़ के आरोपी गुढ़ा आसन निवासी आरोपियों ने बैरियर चैराहे पर घेरकर उनपर हमला कर दिया।

उसके साथी युवक ने जमीन पर पड़ा एक युवक ने उन पर बेसबॉल के पत्थर उठाकर अधेड़ के पैर कुचल दिए। जिससे उनके दोनों पैर फैक्चर हो गए। कोतवाली पुलिस ने इस मामले में आरोपी भूरा गुर्जर, धर्मवीर गुर्जर, अनिल गुर्जर, मनोज गुर्जर निवासी गुढ़ा आसन के विरुद्ध हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है।

छेड़खानी के बाद दोनों पक्षों में हुआ था राजीनामा,

लेकिन मारपीट की टशन नहीं भूल पाए आरोपीजौरा थाना अंतर्गत कांसपुरा गांव में चार-पांच दिन पूर्व आरोपी भूरा गुर्जर एवं रंजीत गुर्जर द्वारा निर्मल कुशवाह 50 वर्ष की बेटी के साथ छेड़खानी कर उसे अपना नंबर देने का प्रयास कर रहे थे, तभी गांव वालों ने देख लिया और दोनों की जमकर मारपीट कर दी। थाना प्रभारी उदयभान सिंह के अनुसार मारपीट में एक युवक को 12 टांके आए थे। उक्त घटना के बाद दोनों पक्ष के बड़े बुजुर्ग द्वारा राजीनामा कर लिया गया, लेकिन मारपीट की टशन भूरा और रंजीत दिमाग में चल रही थी। इसका बदला लेने के लिए वह लगातार निर्मल कुशवाह की लोकेशन ले रहे थे। इसी के चलते रविवार की दोपहर दोनों आरोपी अपने दो साथियों के साथ मुरैना बेरियल चैराहे पर पहुंचे और निर्मल को बीच सड़क पर डालकर बुरी तरह पीटकर हत्या का प्रयास किया। पुलिस द्वारा मामला दर्ज कर लिया गया और घायल अधेड़ व्यक्ति को उपचार के लिए भर्ती कराया गया है।

जिला मुख्यालय पर बाढ़ आपदा संबंधी मॉकड्रिल का आयोजन किया

निज संवाददाता

मुरैना। बाढ़ आपदा संबंधी मॉकड्रिल का आयोजन कलेक्टर अंकित अस्थाना की अध्यक्षता में पीडब्ल्यूडी सर्किट हाउस मुरैना में किया गया। बाढ़ संबंधी मॉकड्रिल का आयोजन दो तरह की परिस्थितियों को लेकर किया गया, जिसमें सबसे पहले बाढ़ की सूचना यदि स्थानीय प्रशासन की ओर से बाढ़ कंट्रोल रूम को दी जाती है कि टेंटरा थाना अंतर्गत कैमरा कला गांव में 7 लोग चंबल नदी के पानी से घिर गए है, कंट्रोल रूम के द्वारा बाढ़ एसओपी के अनुसार संबंधित विभागों को अलर्ट किया जाता है एवं रेस्क्यू किया जाता है। अलग-अलग तरह के विक्टिम को किस तरह लिटिंग एंड मूविंग के माध्यम से स्टेबलाइज किया जाता है, इसका प्रदर्शन भी किया गया। दूसरी परिस्थिति में थाना देवगढ़ के अंतर्गत कोई व्यक्ति पानी में डूब गया है एवं उसे तुरंत रेस्क्यू की आवश्यकता है। इसके साथ-साथ विक्टिम को सीपीआर देकर उसे स्टेबलाइज किया गया और उसे एसओपी तात्कालिक कैसे दी जाती है, इसके बारे में बताया गया।

पटवारी संघ ने अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को दिया ज्ञापन

निज संवाददाता

मुरैना। सोमवार को मध्य प्रदेश पटवारी संघ मुरैना के जिला अध्यक्ष गौरीशंकर के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के नाम पटवारी की मांगों को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सोंपा है तथा शीघ्र ही मांगों का निराकरण करने की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया है कि भू-अभिलेख का डिजीटाइजेशन हो या प्रधानमंत्री आवास स्वामित्व योजना जैसे कार्य हो। खेद का विषय है कि प्रदेश स्तर पर चाहे वेतमान हो, पदोन्नति हो, स्थानांतरण या अन्य मौलिक अधिकार हो उसका शोषण हुआ है। पटवारी ने ज्ञापन में जो मांगे रखी थी उनमें बताया गया कि पति एवं पत्नी दोनों पटवारी होने पर भी एक जिले में पदस्थापना का लाभ नहीं दिया गया, पति-पत्नी दोनों शासकीय सेवक होकर भी एक ही जिले स्थानांतरित नहीं किया गया, वैवाहिक स्थिति में महिला पटवारियों को उनके ससुराल क्षेत्र के जिलो स्थानांतरित नहीं किया गया, गंभीर रूप से बीमारी से पीड़ित पटवारियों को उनके गृह जिलो में पदस्थापना से वंचित रखा गया, आपसी सहमति (म्यूचुअल) स्थानांतरण आवेदन की स्थिति मे एक को लाभ दिया, दूसरे पटवारी को वंचित रखा गया सहित अन्य मांगे शामिल थी।

जैन मिष्ठान व डिस्पोजल की दुकान से सवा लाख की चोरी

निज संवाददाता

मुरैना। सिटी कोतवाली के अंतर्गत पुरानी कलेक्ट्रेट सुलभ शौचालय के ठीक सामने गुफा मंदिर के बाहर स्थित जैन मिष्ठान एवं जैन डिस्पोजल की दुकान का शटर तोड़कर बीती रात्रि अज्ञात चोर सवा लाख रुपए का समान एवं नगदी समेट कर ले गए। सुबह जब दुकान खुली, तब घटना का पता चला, जिसके बाद फरियादी ने कोतवाली पुलिस को आवेदन दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुफा मंदिर की जगह में संचालित जैन मिष्ठान भंडार जिनेंद्र डिस्पोजल हाउस संचालक संजीव कुमार जैन एवं अंजीत कुमार जैन रविवार की रात की दुकान बंद कर घर चले गए। सोमवार की सुबह जब दुकान खोलने पहुंचे तो दुकान के शटर टूटे पाए गए। दोनों ने अपनी-अपनी दुकान को देखा तो दो मोबाईल कीमत 20 हजार, 24 हजार नगद, गोदाम से 12 कार्टून डिस्पोजल गिलास, 40 किलो कॉपर एसी की कीमत 70 हजार के अलावा मिठाई की दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे भी खोलकर ले गए। दोनों फरियादी ने घटना की सूचना पुलिस को दी, इसके बाद थाने में जाकर आवेदन दिया है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। उल्लेखनीय बात यह है कि यह एमएस रोड मुख्य मार्ग है शहर का और रात भर लोगों का स्टेशन से आना जाना रहता है। शहर में पुलिस कहां पर गस्त कर रही है, इसको लेकर जनता में सवाल है।

अमन सिंह ने असिस्टेंट कमांडर 2024 की परीक्षा में 250 वीं रैंक की प्राप्त

निज संवाददाता

मुरैना। यूपीएससी द्वारा आयोजित सीएपीएफ असिस्टेंट कमांडेंट 2024 की परीक्षा में मुरैना निवासी अमन सिंह भदोरिया को ऑल इंडिया रैंक 250 प्राप्त हुई है। उन्होंने बातचीत के दौरान बताया कि वह ग्राम चचिहा के निवासी हैं। वर्तमान में नौकरी में संलग्न होने के कारण तैयारी चुनौती पूर्ण रही थी। बीते वर्ष यूपीएससी सीएपीएफ 2023 की परीक्षा में कुछ अंकों से रह गए थे। फौज में अधिकारी बनने के लिए हमने पूर्व में यूपीएससी सीडीएस की परीक्षा लिखित हर बार निकाली, लेकिन एसएसबी साक्षात्कार में किसी न किसी स्टेज पर रुकने के कारण अंतिम चरण नहीं हो पाया। तैयारी के दौरान माता-पिता भाई बहन का सहयोग रहा एवं पूर्ण विश्वास रहा, जिसके कारण इतना लंबा एवं कठिन सफर तय कर पाया। बड़े भाई ने पिता के समान एवं बहन ने मित्र के रूप में मार्गदर्शन प्रदान किया।

बाप के हत्यारे बेटे को मिला आजीवन कारावास

निज संवाददाता

मुरैना। न्यायालय सप्तम अपर सत्र न्यायाधीश द्वारा आप की हत्या करने वाले कलयुगी पुत्र को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। शासन की ओर से पैरवी इन्द्र सिंह गुर्जर एवं संदीप मिश्रा अपर लोक अभियोजक ने की।घटनाक्रम के अनुसार 16 मई 2024 को अभियुक्त सुधांशु ने सुबह 10.30 बजे अपने पिता रवि प्रताप की बेसबॉल के डण्डे से पीटकर व प्रेस से जलाकर हत्या कर दी व मां को भी बेसबॉल के डण्डे मारकर घायल कर दिया। पुलिस ने बड़े लडके तरुण बैस की रिपोर्ट पर से धारा 302, 307 के तहत अपराध दर्ज होकर न्यायालय में चालान पेश होकर शाक्ष्य अंकित की गई। अभियोजन की ओर से कराई गई महत्वपूर्ण साक्ष्य व तर्कों से सहमत होकर न्यायालय सप्तम अपर सत्र न्यायालय द्वारा आरोपी सुधांशु पुत्र रवि प्रताप निवास दत्तपुरा मुरैना को धारा 302 में आजीवन कारावास व 1000 रुपये अर्थदण्ड व 307 में 5 साल की सजा व 500 रुपये जुर्माना की सजा दी है।

भारतीय जैन मिलन क्षेत्र क्रमांक-2 की कार्यकारिणी बैठक संपन्न

निज संवाददाता

मुरैना। भारतीय जैन मिलन क्षेत्र क्रमांक 2 की प्रथम कार्यकारिणी बैठक जैन मिलन महिला राजुल मुरैना के अतिथ्य और जैन मिलन मुरैना के सहयोग से होटल शेवरोन एम एस रोड मुरैना में आयोजित की गई। इस दौरान रेनू जैन द्वारा महावीर प्रार्थना प्रस्तुत की गई व खुशी के द्वारा मंगलाचरण की प्रस्तुति की गई और महिला राजुल के सदस्य द्वारा स्वागत नृत्य की प्रस्तुति दी गई।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महेन्द्र जैन राष्ट्रीय महामंत्री संगठन, अतिविशिष्ट अतिथि राजेश जैन बंटी राष्ट्रीय प्रचार अध्यक्ष, अतिवीर बालचंद्र जैन राष्ट्रीय संरक्षक, शीला जैन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राजेन्द्र जैन मगरोनी, मुकेश जैन पत्रकार शिवपुरी, प्रदीप जैन, अनीता जैन, निर्मल पाटनी, क्षेत्रीय अध्यक्ष महेन्द्र जैन क्षेत्रीय मंत्री कमलेश जैन कार्यक्रम के दीप प्रज्ज्वलन कर्ता अंजली जिनेश जैन अम्बाह, चित्र अनावरणकर्ता अभिषेक जैन टीटू, कार्यक्रम के संयोजक क्षेत्रीय उपाध्यक्ष शिल्पी जैन, क्षेत्रीय उपमंत्री संजय जैन, संयोजक ग्रुप ई लीना जैन, जैन मिलन महिला राजुल की अध्यक्ष आशिमा जैन, मंत्री बबिता जैन, कोषाध्यक्ष निलिमा जैन, जैन मिलन मुरैना से अध्यक्ष वीरेंद्र जैन, मंत्री मनीष जैन, नवनीत जैन सहित भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय पदाधिकारी, क्षेत्रीय पदाधिकारी, भिण्ड, गोरमी, मेहगांव, पोरसा, अम्बाह, जौरा, सुमावाली, शिवपुरी, करैरा, मगरोनी, नरवर, भितरवार, डबरा, ग्वालियर की महिला, पुरुष, युवा और बालिका शाखाओं के अध्यक्ष, मंत्री एवं कोषाध्यक्ष सहित लगभग 400 लोग शामिल हुए। सभी ने अतिथ्य शाखा महिला राजुल मुरैना और सहयोगी शाखा जैन मिलन मुरैना को सफल आयोजन की बधाई और शुभकामनायें दी गई। इस मौके पर जैन मिलन महिला राजुल सीमा, संगीता, रेनू, सुनीता, अंतिम, विमलेश, सोमी, सरिता, भावना, प्रियंका, सविता, शिवानी, शालिनी, वंदना, रेनू, पिंकी, रूबी, जूली, पूनम, नेहा, सोनल, कल्पना, शोभना, सरिता, निशि, नेहा, सुलोचना, दीपेश, सुनील व जैन बालिका शाखा से अध्यक्ष दीक्षा जैन, मंत्री साक्षी आदि सदस्य उपस्थित रहे।

दिगंबराचार्य विद्यासागर का दीक्षा समारोह मनाया गया

निज संवाददाता

मुरैना। आचार्य श्री विद्यासागर का 58वें दीक्षा दिवस पर सारा विश्व उन्हें याद कर रहा है। आज वो हमारे बीच नहीं है, लेकिन उनका जीवन चरित्र और उनका बताया ज्ञान आज भी हमारे बीच है। पूज्य गुरुदेव का जीवन चरित्र पड़ने मात्र से जीवन में बहुत बदलाव आ जाता है। दीक्षा लेकर साधु हो जाना या मुनि हो जाना बहुत आसान है किंतु समस्त शास्त्रों के ज्ञान के बाद व्यक्ति उपाध्याय हो जाता है और कठोर तप करते हुए वह आचार्य पद ग्रहण करता है। ऐसे ही आचार्य हैं विद्यासागर महाराज। आचार्यश्री ने अनुशासन और तप से अपने मन और तन को कुंदन बना रखा था। उनके तपोबल का तेज उनके चेहरे पर निरंतर झलकता रहता था। आचार्य विद्यासागरजी ने धर्म की प्रभावना समाज में फैलाई। उनकी यही प्रभावना देश को अहिंसा के पथ पर ले जाती है। उनकी यह दीक्षा हमेशा समाजवासियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनी रहेगी। 58वें दीक्षा दिवस महोत्सव नसियां जी जैन मंदिर में प्रातःकालीन वेला में श्री जिनेंद्र प्रभु का अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजन के पश्चात चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। हजारों की संख्या में उपस्थित साधर्मी बंधुओं, माता बहिनों, बच्चों ने अष्टद्रव्य से पूज्य आचार्यश्री का पूजन किया।

गोवंश सांड की मौत से आक्रोशित गौ सेवकों ने एक घंटे लगाया जाम

निज संवाददाता

मुरैना। जिले के जौरा नगर में रविवार की रात एक अज्ञात वाहन चालक ने गोवंश को टक्कर मार कर मौत के घाट उतार दिया, जिससे आक्रोशित गौ सेवकों ने एमएस रोड पर जाम लगा दिया, जो एक घंटे चला। इस दौरान दोनों तरफ वाहनों की लंबी-लंबी कतारे लग गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तथा काफी समझाईश के बाद एक घंटे पश्चात जाम को हटवाया गया। इस दौरान आक्रोशित लोगों ने नगर परिषद अध्यक्ष, सीएमओ के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे भी लगाए।रविवार की रात 9 बजे एमएस रोड हाईवे पर एक अज्ञात वाहन की टक्कर से गोवंश साड की मौत के बाद एक सैकड़ा गौ सेवक सड़क पर मृत सांड के साथ बैठ गए, जिससे एमएस रोड पर वाहनों का आवागमन बाधित होने लगा। रात 10:00 बजे तक सड़क पर दोनों तरफ 2 किलोमीटर लंबी लाइन लग गई। गौ सेवक सीएमओ, अध्यक्ष, पुलिस प्रशासन, नगर पालिका मुरदाबाद के नारे लगा रहे थे। जाम की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची व काफी देर के प्रयास के बाद गौ सेवकों को आश्वासन देकर जाम हटाने को कहा गया, जिस पर वह मान गए और जाम खोल दिया गया।

मलेरिया जागरूकता हेतु मौधना जवाहर गांव में लगाया शिविर

निज संवाददाता

मुरैना। सिविल हॉस्पिटल जोरा के खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ आर एस सेमिल के मार्गदर्शन में मलेरिया रोग के प्रति जन समुदाय को जागरूक करने हेतु ग्राम मौधना जवाहर एवं मौधना भीकम में मलेरिया जन जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें एमपीएस दीनदयाल शर्मा एवं रामनिवास कुशवाह के द्वारा अपनी स्वास्थ्य टीम में बीव आशीष शर्मा, एएनएम आरती राठौर एवं आशा कार्यकर्ता प्रवेश सिकरवार के साथ गांव में लोगों को मलेरिया, चिकनगुनिया एवं डेंगू के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर टीम के द्वारा गांव में हर घर में दस्तक देकर लोगों से चर्चा की एवं उन्हें मलेरिया रोग से बचाव हेतु जानकारी दी। साथ ही घरों में पानी की टंकियों, कूलर की टंकी एवं अन्य ऐसे स्थान जहां पर जल भराव हो उसकी देख-रेख करने एवं उस पानी को खाली करने एवं टंकीयों को सूखने के बाद दोबारा पानी भरने की सलाह दी गई। उन्हें बताया गया कि ज्यादा दिन तक भरे हुए पानी में लार्वा हो सकता है, इसलिए ज्यादा समय तक पानी का भराव ना करें एवं घरों के आसपास साफ-सफाई रखे। रात्रि के समय सोते समय फुल कपड़े पहनकर सोये एवं मच्छरदानी का प्रयोग करें व बुखार आदि आने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर अपने स्वास्थ्य की जांच कराये।

रेलवे फाटक पर एक दिन के लिए सड़क यातायात रहेगा बंद

निज संवाददाता

मुरैना। उत्तर मध्य रेल द्वारा जिला एवं पुलिस प्रशासन मुरैना को पत्र लिखकर जानकारी दी गई है कि 5 जुलाई से 6 जुलाई तक समपार क्रमांक 452 पर टीपीआर (पी) का कार्य चालू रहेगा, जिस कारण सडक यातायात 24 घंटे के लिए बंद रहेगा। उत्तर मध्य रेलवे ने जिला एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारियों से पत्र में कहा है कि संबंधित अधिकारियो को उपरोक्त फाटक पर बाहनों का आवागमन बंद करने हेतु उचित निर्देश जारी करें। इस अवधि के दौरान सडक यातायात गांव दीखतपुरा के पास बने हुये (एलएचएस-453) से परिवर्तित किया जाना प्रस्तावित है।

दैनिक
नवनीत एक्सप्रेस
राष्ट्रवादी विचार धारा
जय खेड़ापति सरकार
ग्वालियर,भोपाल से एक साथ प्रकाशित
संपादकः महेन्द्र तिवारी
न डरते है न डराते है

कविता

चाँद की चाँदनी..

चाँदनी कुछ नाराज थी आज
चाँद के हाल से परेशान थी आज

कहना बहुत कुछ था पर कह न पा रही थी
खुद ही समझ जाएगा, सोच कर मुस्कुरा रही थी
चाँद भी अंजान बन व्यस्तता का दम भर रहा था
धीरे धीरे अपने लक्ष्य पर चल रहा था
चाँदनी को बातें करने का मन कर रहा था
रात्रि के आलम में दुनिया से डर लग रहा था

फिर भी मन की कौन सुन रहा था
बंद आँखों में नींद को निमंत्रण दिया था

नींद का नामोनिशान ही कहाँ था
नाराज हो कर सपनों का किवाड़ खोला ही तो था
तभी चाँद ने मुस्कुरा कर चाँदनी का स्वागत किया था
भावों को सारे समझ गया था

देख चाँदनी को मुस्कुराते... राहत को चुन लिया था
मानो चाँदनी को कुछ यूँ मना लिया था.. मना लिया था

वंदना घनश्याला की कलम से

यदि पुलिस न होती तो....

फेसबुक पर डीएसपी श्री संतोष कुमार पटेल की पोस्ट पढ़ रहा था लिखा था......

हम ग्वालियर आरपीएफ में एस आई रवीन्द्र सिंह राजावत के साथ ट्रेन के इंतजार में थे तभी मैंने देखा सर पे बोरी रखे एक मजदूर ने बाहर जाने का रास्ता वर्दी वाले साहब से ही पूंछा। बिना वर्दी के हम पांच छह लोग खड़े थे तभी एक बुंदेली चाचा थैला टांगे आए और हमारे साथ वालों को धक्का देते हुए वर्दी के पास पहुँचे और पूंछा कि छतरपुर की ट्रेन कब मिलेगी..इतना कहना चाहता हूं कि ये जो विश्वास है खाकी वर्दी के प्रति गरीब,मजदूर और पीड़ित परेशान का कि वर्दी धारी इंसान सही रास्ता दिखाएगा..उसे बनाए रखिएगा। नई भर्ती वालों के लिए इतना कहता हूँ कि नई नई खाकी की नौकरी हैज्लहजा मुलायम रखना , मेहनत से मिली है वर्दी जनता का भरोसा कायम रखना। बहुत अच्छी बात लिखी है संतोष जी ने और पुलिस विभाग होता भी इसीलिए है....किंतु कुछ असामाजिक टाइप के लोग किसी भी विभाग में हों किसी भी पद पर हों वह समूचे विभाग के किये कराये पर पानी फेरने का काम करते हैं।

क्या कभी आपने कल्पना की है कि यदि पुलिस न होती तो हमारे समाज का रूप कैसा होता ? हमारे वर्तमान जीवन में पुलिस का बड़ा महत्त्व होता है। देश और समाज की सुरक्षा और शांति के लिए पुलिस की सेवाएँ आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य भी हैं। इस दशा में पुलिस के अभाव की कल्पना विचित्र एवं असंगत-सी अवश्य लगती है।ट्रेफिक पुलिस रास्तों पर यातायात का नियंत्रण करती है। उसी के संकेत के अनुसार टैक्सियाँ, मोटरें, बसें, ट्रक आदि चलती है, पुलिस के प्रबंध के कारण ही लोग सरलता से रास्ता पार कर सकते हैं और दुर्घटना से बच सकते हैं। अगर पुलिस न होती तो शहरों में वाहन व्यवहार पर कोई नियंत्रण ही न रहता। जल्दबाजी में रोज न जाने कितनी दुर्घटनाएं होती और कितने लोग उनके शिकार हो जाते !पुलिस लोगों के जान-माल की रक्षा करती है। आजकल चोर, लुटेरे, शराबी, जुआरियों की कमी नहीं है । इन समाज विरोधी तत्वों से लोगों को बचाना पुलिस का फर्ज है। जो लोग कायदे-कानूनी का उल्लंघन करते हैं उन्हें पुलिस पकड़ती है। अगर पुलिस न होती तो चोर-उचक्कों का ही राज हो जाता । पुलिस के न रहने पर डाकू दिन-रात लोगों, घरों, दुकानों और बैंकों को लूटते रहते । लोग बात-बात में हत्या पर उतारू हो जाते । इस प्रकार पुलिस के न रहने पर समाज में बड़ी अव्यवस्था फैल जाती, जिससे भले आदमियों के लिए जीना भी मुश्किल हो जाता।बड़े-बड़े जुलूस, सभा या मेलों के समय पुलिस की सेवाएँ विशेष रूप से आवश्यक होती हैं। दुर्घटनाओं में भी पुलिस लोगों की बड़ी सहायता करती है। साधारण लड़ाई झगड़ों को निबटाने का काम भी पुलिस ही करती है। पुलिस की इन सेवाओं से हमारा जीवन अधिक सुरक्षित और शांतिमय बना रहता है। अगर पुलिस न होती तो समाज को पलभर के लिए भी सुख-चैन नसीब न होता। मनुष्य की पशुता का पूरा नाश नहीं हुआ है।

इस परिस्थिति में अगर पुलिस न होती तो हमारा व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन अशांत और असुरक्षित बन जाता। फिर तो हम चैन की साँस न ले पाते। सच तो यह है कि पुलिस हमारे जीवन का एक अंग बन गई है। उसके अभाव या अनुपस्थिति की हम कल्पना ही नहीं कर सकते।समाज की सुरक्षा का भार पुलिस के कंधों पर ही होता है यदि पुलिस न होती तो कहीं भयभीत होने पर किस की ओर सुरक्षा की अपेक्षा से देखेंगे? आम लोगों से पुलिस का रिश्ता बहुत संवेदनशील और आत्मीय होता है फिर भी लोग पुलिस विभाग की बुराई क्यों करते देखे जाते हैं यह एक चिंतन का विषय है और पुलिस विभाग के आला अधिकारी सदैव प्रयासरत रहते हैं कि पुलिस और समाज के बीच किसी प्रकार की खाई न पनपने पाये ।मुझे याद है जब मेरे एक घनिष्ठ मित्र अपनी पत्नी के साथ तीर्थ यात्रा करके एक जीप से अपने घर वापस आ रहे थे जीप में सात आठ लोग सवार थे ड्राइवर को नींद का झोका आया और जीप पूरी स्पीड में खड़े ट्रक के पीछे धंस गई और जीप में सवार करीब सभी घायल हो गये और तीन लोगों की मौत हो गई इस दुर्घटना में बुरी तरह घायल मेरे मित्र ने बताया था कि यदि समय पर पुलिस न पहुंची होती तो हमारी जान बचना मुश्किल हो जाता.. घर परिवार के लोग, नातेदार रिश्तेदार, यार दोस्त और मोहल्ला पड़ौसी के पहले घटना स्थल पर पुलिस का पहुंचना सचमुच बहुत सुखद लगता है। गाँव में कहीं किसी की सड़ी गली लाश मिलती है गाँव के घर परिवार के लोग नाक मुंह सिकोड़ लेते हैं कोई पास नहीं जाता उस स्थित पुलिस की कठिन ड्यूटी और उपयोगिता महसूस की जा सकती है । जैसे जैसे समाज प्रगति कर रहा है समाज में पुलिस की उपयोगिता और अनिवार्यता बढ़ती ही जा रही है इस काल में प्रगति के दौरान कम्प्यूटर, इंटरनेट, मोबाइल आदि सुविधाओं ने एक ओर देश और समाज की प्रगति के रास्ते खोले हैं तो वहीं दूसरी ओर साइबर अपराधियों की बढोतरी हो गई है,इन अपराधों से निबटने के लिये भारत में एक साइबर अपराध सेल की स्थापना की गई थी, जिसे बाद में साइबर अपराध पुलिस स्टेशन घोषित किया गया, भारत का पहला साइबर अपराध पुलिस स्टेशन, सीआईडी, बेंगलुरु में शुरू किया गया था ।हमारे प्रगतिशील दौर के वर्तमान जीवन में पुलिस का बड़ा महत्त्व होता है। देश और समाज की सुरक्षा और शांति के लिए पुलिस की सेवाएँ आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य भी हैं। इस दशा में पुलिस के अभाव की कल्पना विचित्र एवं असंगत-सी अवश्य लगती है।हमारे जीवन की सुरक्षा के लिए दुपहिया वाहन पर हैलमेट और चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट बहुत ही आवश्यक है किंतु अपने जीवन की सुरक्षा से ज्यादा पुलिस की चेकिंग के डर से पालन करने वालों की संख्या बहुत ज्यादा है । दुर्घटनाओं में भी पुलिस लोगों की बड़ी सहायता करती है। साधारण लड़ाई झगड़ों को निबटाने का काम भी पुलिस ही करती है। पुलिस की इन सेवाओं से हमारा जीवन अधिक सुरक्षित और शांतिमय बना रहता है। अगर पुलिस न होती तो समाज को पलभर के लिए भी सुख-चैन नसीब न होता।सच तो यह है कि पुलिस हमारे जीवन का एक अंग बन गई है। उसके अभाव या अनुपस्थिति की हम कल्पना ही नहीं कर सकते।

सतीश श्रीवास्तव
मुंशी प्रेमचंद कालोनी करैरा

मूल हिंदुस्तानी, बातें पाकिस्तानी, क्या है बुर्के में लिपटे स्टैचू ऑफ लिबर्टी की कहानी

ममदानी की पहचान इतने तक सीमित नहीं है। उनकी जीत डेमोक्रेट्स की राजनीति में बदलाव के रूप में देखी जा रही है। पूरे अमेरिका समेत हिंदुस्तान में इसे लेकर खासी दिलचस्पी है। कौन हैं ममदानी, हिंदुस्तान से उनका रिश्ता क्या, उनकी राजनीति क्या है और क्या क्या विवाद उनसे जुड़े हैं, तमाम मुद्दों का एमआरआई स्कैन करेंगे। 15 मई 2025 की तारीख न्यूयार्क शहर में मेयर पद के लिए एक अहम डिबेट चल रही थी। मंच पर मौजूद एक 33 साल के कैंडिडेट से एक सीधा सवाल पूछा गया कि अगर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी न्यूयॉर्क आते हैं तो क्या आप उनसे मिलेंगे। उन्होंने जवाब देने में बिल्कुल देर नहीं लगाई। कहा कि वो एक युद्ध अपराधी यानी वॉर क्रिमिनल हैं। हमें इसे ऐसे ही देखना चाहिए जैसे हम बेंजामिन नेतन्याहू को देखते

हैं। ये बात कहने वाला शख्स न्यूयॉर्क मेयर पद के लिए डेमोक्रेट्स का प्राइमरी चुनाव जीत चुका है और इनका नाम जोहरान ममदानी है। वैसे तो ममदानी अभी मेयर बने नहीं हैं। ममदानी ने डेमोक्रेट पार्टी का प्राइमरी चुनाव बस जीता है। मतलब वो डेमोक्रेट पार्टी के प्रत्याशी होंगे। असली चुनाव नवंबर में होंगे। न्यूयॉर्क शहर का वोटिंग पैटर्न बताता है कि डेमोक्रेट्स का उम्मीदवार ही मेयर का चुनाव जीतता है। लगभग सभी जानकार इस मामले में एकमत हैं कि ममदानी ही अगले मेयर होंगे। अगर ऐसा हो जाता है तो न्यूयॉर्क शहर के 400 साल के इतिहास में पहली बार एक मुसलमान और दक्षिण एशियाई मूल का मेयर बनेगा। हालांकि ममदानी की पहचान इतने तक सीमित नहीं है। उनकी जीत डेमोक्रेट्स की राजनीति में बदलाव के रूप में देखी जा रही है। पूरे अमेरिका समेत हिंदुस्तान में इसे लेकर खासी दिलचस्पी है। कौन हैं ममदानी, हिंदुस्तान से उनका रिश्ता क्या, उनकी राजनीति क्या है और क्या क्या विवाद उनसे जुड़े हैं, तमाम मुद्दों का एमआरआई स्कैन करेंगे। इसे भी पढ़ें- दुनिया के सबसे अमीर शहर का मेयर बनेगा ये भारतीय! मशहूर फिल्म निर्देशक के हैं बेटे न्यूयॉर्क मेयर चुनाव में डेमोक्रेट के प्राइमरी उम्मीदवार अमेरिका के एक छोटे से चुनाव में भारत और पाकिस्तान का मुद्दा छा गया है। पहली बार दक्षिण एशियाई, भारतवंशी और मुस्लिम मूल के ममदानी ने पूर्व गवर्नर एंड्रयू क्यूमो को हराया है।-**महिमा राठौड़**

आस्था

आषाढ़ कृष्ण पक्ष की दशमी तिथि दिन मंगलवार

(साहित्य का मंच या शिकार की मंडी ?)

नई लेखिका आई है – और मंडी के गिद्ध जाग उठे हैं

नई लेखिकाओं के उभार के साथ-साथ जिस तरह साहित्यिक मंडियों में उनकी रचनात्मकता की बजाय उनकी देह, उम्र और मुस्कान का सौदा होता है – यह एक गहरी और शर्मनाक सच्चाई है। मंच, आलोचना, भूमिका, सम्मान - सब कुछ एक जाल बन जाता है। यह संपादकीय स्त्री लेखन के नाम पर चल रही पाखंडी व्यवस्था को आईना दिखाता है, जहाँ लेखिका की कलम से ज़्यादा उसकी %उपस्थिति% बिकती है। अब समय आ गया है कि साहित्य की दुनिया इस अंदरूनी शोषण को पहचाने और बदलने का साहस करे।

प्रियंका सौरभ

नई लेखिका जैसे ही साहित्य के आंगन में प्रवेश करती है, एक

उत्सव-सा माहौल बनता है। वह कलम लेकर आई है – शब्दों को जीवन देने, अनुभवों को साझा करने और संवेदनाओं को स्वर देने के लिए। पर क्या केवल शब्दों की शक्ति ही काफी है इस जगत में टिके रहने के लिए? नहीं। इस मंडी में उसकी लेखनी से पहले उसका चेहरा देखा जाता है। किताब से पहले उसकी उम्र पूछी जाती है। विचारों से पहले उसकी वाणी और मुस्कान पर चर्चा होती है। और दुर्भाग्यवश, यही वह बिंदु है जहाँ साहित्यिक क्षेत्र का स्याह सच उभरता है।आज भी देश के तमाम साहित्यिक मंचों, गोष्ठियों और पत्रिकाओं में एक नारी लेखिका को रचनाकार कम और सौंदर्य अधिक समझा जाता है। वरिष्ठों की प्रशंसा के शब्दों में सराहना से अधिक संकेत होते हैं। मंच पर बुलावा केवल कविता पाठ के लिए नहीं होता, बल्कि उस 'नवयौवना' ऊर्जा को भुनाने की एक शातिर कोशिश होती है।

आप बहुत अच्छा लिखती हैं कहने वाले बहुत होते हैं। लेकिन उनमें से कई की नज़रों में लफ्ज़ नहीं, लार होती है। गोष्ठी के बाद की पार्टियों में कविता का नहीं, शरीर का मूल्यांकन होता है। और जो लेखिका इन सबके लिए 'ना' कहती है, उसे 'घमंडी', 'असहयोगी', और बदतमीज़ कहा जाता है। साहित्य की यह मंडी उस बौद्धिक आज़ादी की कब्रगाह बन चुकी है, जिसका स्वप्न लेकर कई स्त्रियाँ अपनी कलम उठाती हैं। नई लेखिका को मंच नहीं, मौन मिलते हैं। समर्थन नहीं, संशय मिलते हैं। उसके हर शब्द के पीछे मंशा तलाशने की कोशिश होती है – ÷किसके लिए लिखा? किसके कहने पर?, किस इरादे से? यह वही समाज है जो एक ओर मी टू आंदोलनों पर अख़बारों में कॉलम लिखता है, और दूसरी ओर साहित्यिक सम्मेलनों में युवा लेखिकाओं को एकांत में बुलाकर ÷व्यक्तिगत मार्गदर्शन÷ देने को तैयार हो जाता है।इस मानसिकता ने न केवल नई प्रतिभाओं को कुचला है, बल्कि साहित्य के प्रति महिलाओं के विश्वास को भी तोड़ा है। लेखन की दुनिया को जिनका घर बनना था, वहां दरवाज़े बंद मिलते हैं – अगर वे समझौता नहीं करतीं।इतिहास गवाह है – अमृता प्रीतम, महादेवी वर्मा, मन्नू भंडारी, मृणाल पांडे, वंदना राग जैसी लेखिकाओं ने न केवल कलम चलाई, बल्कि उस पितृसत्ता के खिलाफ भी लिखीं जो साहित्य की गली में भी घर बनाए बैठी थी। उन्होंने यह रास्ता संघर्षों से सींचा, और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक चेतना छोड़ी। लेकिन फिर भी सवाल खड़ा होता है – क्यों आज भी नई लेखिका को अपनी गरिमा की रक्षा के लिए चुप रहना पड़ता है या लड़ना पड़ता है? क्यों अब भी वरिष्ठ पुरुष लेखकों के लिए 'नारी-लेखन' एक 'आसान निशाना' बना हुआ है?कई बार तो लेखिका की लेखनी को ही पुरुष संरचना में ढालने की कोशिश की जाती है। थोड़ा कम उग्र लिखो, ज्यादा संवेदनशील बनो, रोमांटिक कविताएं ज्यादा सराही जाती हैं÷ – ये सब नए नामों को सिखाने वाले 'गुरुजन' के परामर्श होते हैं। लेकिन सच तो ये है कि यह अनुरूपता नहीं, बल्कि अनुनय की मांग होती है। एक अन्य पक्ष यह भी है कि जब कोई लेखिका सफल हो जाती है – तो उसकी सफलता का श्रेय उसके किसी पुरुष मार्गदर्शक को दे दिया जाता है। जैसे उसकी प्रतिभा खुद उसकी नहीं थी, बल्कि किसी के संपर्क और संरक्षण से मिली हुई थी। और जब वह इन चीज़ों से इनकार करती है – तो उसकी कविताओं की समीक्षा नहीं होती, बल्कि उसके चरित्र की। यही दोहरा मापदंड इस मंडी की रीढ़ बन गया है। अब ज़रूरत है – इस व्यवस्था को सवालों के कटघरे में खड़ा करने की।अब ज़रूरत है – कि हर नई लेखिका अपनी कविता में यह लिखे कि ÷मैं कोई गुलाब नहीं, जो सिर्फ़ सजने के लिए खिला हूँ – मैं वो काँटा हूँ जो तुम्हारे इरादों को चीर देगा। लेखिकाओं को एक-दूसरे की आवाज़ बनना होगा। उन्हें मंच साझा करने से अधिक, स्पेस साझा करना होगा – जहां वे एक-दूसरे को सुनें, समर्थन दें, और किसी को भी अकेले न छोड़ें।प्रकाशक, संपादक, आयोजक – अब तुम्हारे लिए भी चेतावनी है। अगर तुम अपनी नीतियों को साफ़ नहीं करोगे, तो ये कलमें तुम्हारे नाम को स्याही से नहीं, आग से लिखेंगी। यह मंडी, जो कभी विचारों की थी, आज बाजार बन गई है – जहां 'स्त्री उपस्थिति' बिकती है, 'लेखनी' नहीं।पर यह बाज़ार भी एक दिन ढहेगा – जब हर लेखिका अपने भीतर के डर को मिटाकर मंच पर सिर्फ़ कविता नहीं, हक़ मांगेगी।

> मेरे शब्द मेरे होंठों से नहीं, मेरी आत्मा से निकले हैं – और तुमने मेरी आत्मा को रौंदा है, तो अब यह कलम चुप नहीं बैठेगी।

प्रियंका सौरभ
स्वतंत्र लेखिका, स्त्रीवादी चिंतक, कवयित्री

कानों सुनी तो क्या आंखों देखी पर भी सोच समझकर निर्णय लेना चाहिए

आओ अनियोजित निर्णय पर ध्यान दें अनियोजित निर्णय लेते समय, बड़े बुजुर्गों की कहावतों पर गौर करने से विपत्तियों से बचने और लक्ष्यों को प्राप्त करने में सुविधा होती है - एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र गोंदिया - मानव के व्यावहारिक जीवन में अनेक बार ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न होती है जहां उस विशेष अनियोजित परिस्थितियों में अचानक ही निर्णय लेने की ज़रूरत होती है बस !यही वह समय होता है जब अपनी बुद्धि कौशलता के साथ हमें बड़े बुजुर्गों द्वारा कही गई कहावतों, मुहावरों, विचारों को रेखांकित करने की अत्यंत तात्कालिक ज़रूरत होती है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र से, मेरा मानना है कि उससे हमें अति उच्च गुणवत्ता का सकारात्मक निर्णय लेने में आसानी होती है,जिसके दूरगामी सकारात्मक परिणाम होते हैं और उन परिस्थितियों में पढ़ने वाले विपरीत नुकसान, दुष्परिणामों से बचा जा सकता है जिसके दूरगामी सकारात्मक परिणाम निकलते हैं और हम उसका श्रेय बड़े बुजुर्गों के आशीर्वाद के रूप में ले सकते हैं। साथियों बात अगर हम व्यवहारिक जीवन में निर्णय लेने की करें तो यह दो प्रकार का हो सकता है नियोजित और अनियोजित निर्णय, ऐसे निर्णय जो किसी परिस्थिति विशेष पर अकस्मात लेने पड़ते हैं जिसके लिए कोई पूर्व योजना नहीं होती है अनियोजित निर्णय कहलाते हैं। इसके विपरीत ऐसे निर्णय जो किसी पूर्व योजना पर आधारित होते हैं, नियोजित निर्णय कहलाते हैं। नियोजित निर्णय ठोस तथ्यों पर आधारित होते हैं क्योंकि यह पूर्व निर्धारित योजना पर आधारित होते हैं।साथियों बात अगर हम बड़े बुजुर्गों की कहावतों की करें तो, कहावत उस छोटे से वाक्य या लाइन को कहा जाता है जिसके माध्यम से बड़ी-बड़ी बातें कह दी जाती है। गाँव, घर में अक्सर बड़े-बुजुर्गों के द्वारा बहुत सारी कहावतें सुनने को मिलती है। इन कहावतों को स्कूल में नही पढाया जाता है, इसे ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्रों के लोग बोलने में प्रयोग करते है। बहुत सारी ऐसी कहावतें होती है जो घर की महिलाओं के द्वारा प्रयोग की जाती है, कई बार गाँव में बड़े बुजुर्गों की कहावत का अर्थ तो पढ़े लिखे लोग भी नहीं निकाल पाते है, और शर्म में हाँ में हाँ मिलाकर आगे बढ़ जाते है। साथियों बात अगर हम तुरंत निर्णय लेने वाली परिस्थितियों की करें तो, मानव जीवन में अनेक बार ऐसी परिस्थितियां आती है जब मनुष्य समझ नहीं पाता कि उसे किस तरह उस परिस्थिति का सामना करना है । परिस्थितिवश उत्पन्न स्थिति स्वयं में इतनी उलझी होती है की अगर सूझ बूझ और दूर दृष्टि का सहारा न लिया जाये तो निर्णय गलत होने की पूरी सम्भावना रहती है ।अनेको बार छोटी छोटी बातें हमें नकारात्मक गहराई तक प्रभावित करती हैं । ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर बेहतर तो यह है की हम शांति और धैर्य से उस परिस्थिति का विश्लेषण करें तथा उस स्थिति के पक्ष विपक्ष दोनों के बारे में सोंचे क्योंकि प्रत्येक स्थिति के दो पहलू होते है , एक अगर सकारात्मक है तो दूसरा नकारात्मक अवश्य होगा । हमें परिस्थिति के गुण दोष के आधार पर निर्णय लेना चाहिए न कि जल्दबाजी में या घबराकर कोई कदम उठाना चाहिए जिससे की हमारे पक्ष में होने वाली बात का भी विपरीत असर हो जाये ।सबसे बड़ी बात हमें किसी भी विपरीत स्थिति में धैर्य , सहनशीलता और शांति से निर्णय लेने की आदत डालनी चाहिए अगर ऐसा हुआ तो हम अपने जीवन में अवश्य सफल होंगे । **-एड किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र गोंदिया**

दैनिक नवनीत एक्सप्रेस
राष्ट्रवादी विचार धारा
जय लोकतंत्र सरकार
ग्वालियर,भोपाल से एक साथ प्रकाशित
संपादकः महेन्द्र तिवारी
न डरते है न डराते है, सच उजागर करते हैं

आमिर को अंडरवर्ल्ड ने दिया था पार्टी का न्योता...!

बॉलीवुड एजेंसी

1990 के दशक में अंडरवर्ल्ड का हिंदी फिल्म इंडस्ट्री पर काफी असर था। हाल ही में जब आमिर खान ने एक इंटरव्यू में उनसे अंडरवर्ल्ड की धमकी को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि धमकी तो नहीं आई, लेकिन कॉल्स जरूर आए। द लल्लनटॉप से बात करते हुए आमिर ने कहा कि अंडरवर्ल्ड की तरफ से उन्हें पार्टी में जाने का बुलावा आया था। आमिर ने कहा, ÷मैंने मिडिल ईस्ट, शायद दुबई में होने वाली उनकी पार्टी में जाने का न्योता ठुकरा दिया। कुछ लोग मुझे बुलाने आए थे। आमिर ने आगे कहा, ÷मैं किसी का नाम नहीं लेता, इंडस्ट्री के लोगों का भी नहीं। यही मेरी आदत है। उन्होंने बहुत कोशिश की। पैसे ऑफर किए। कहा जो काम चाहो करवा देंगे। फिर भी मैंने मना कर दिया। आमिर खान ने आगे बताया, बाद में उनका लहजा बदल गया। बोले अब तो आना पड़ेगा। तुम्हारा नाम अनाउंस हो चुका है। ये इज्जत का सवाल है। यह आखिरी मुलाकात थी। मैंने कहा, एक महीने से मिल रहे हो और मैं शुरू से कह रहा हूं कि नहीं आऊंगा। तुम ताकतवर हो जिस दिन चाहे आ सकते हैं। मुझे पीटिए, सिर पे मारिए, हाथ-पांव बांधकर जहां ले जाना है ले जाइए। मैं नहीं आऊंगा। आप फोर्सिबली ले जाइए, लेकिन मैं नहीं आऊंगा, तो उन्होंने फिर कांटेक्ट करना छोड़ दिया। आमिर ने माना कि उस समय उन्हें बहुत डर लगा था। उन्होंने कहा, मुझे नहीं परिवार के लिए ज्यादा डर था। मेरे दो छोटे बच्चे थे। माता-पिता बहुत परेशान थे। बोले ये बहुत खतरनाक लोग हैं। आमिर ने माता-पिता को कहा था, मैं अपनी जिंदगी अपनी शर्तों पर जीना चाहता हूं।

वरुण धवन ने मीडिया को कहा था असंवेदनशील

बॉलीवुड एजेंसी

27 जून को पॉपुलर एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला का निधन हो गया। कई पैपराजी और सोशल मीडिया पेजेस द्वारा एक्ट्रेस के निधन के बाद शोक मना रहे परिवार से जुड़े वीडियो पोस्ट किए थे, जिस पर कई सेलेब्स नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। वरुण धवन ने मीडिया पर भड़कते हुए कवरेज को असंवेदनशील कहा था। अब जान्हवी कपूर ने भी वरुण को सपोर्ट का सहमति दी है। वरुण धवन की पोस्ट री-शेयर कर जान्हवी कपूर ने उनकी बात पर सहमति जताई और लिखा, आखिरकार किसी ने ये कहा। वरुण धवन ने एक पोस्ट शेयर कर लिखा, %एक बार फिर मीडिया द्वारा ने एक आत्मा के निधन को असंवेदनशील तरीके से कवर किया गया। मुझे समझ नहीं आता कि आपको किसी के दुख को कवर क्यों करना है। हर कोई इससे बहुत असहज हो जाता है। इससे किसी को क्या फायदा हो रहा है। मैं मीडिया में अपने दोस्तों से अनुरोध करता हूं, कोई भी व्यक्ति नहीं चाहेगा कि उसकी अंतिम यात्रा को इस तरह कवर की जाए। जान्हवी और वरुण के अलावा रश्मि देसाई ने भी उस वीडियो पर आपत्ति जताई थी, जिसमें शेफाली जरीवाला के अंतिम संस्कार में उनके बिहेवियर पर सवाल उठाए जा रहे थे। रश्मि ने वीडियो री-शेयर कर लिखा था, क्या वाकई। क्या आप इसे जर्नलिज्म कहना चाहते हैं। शर्म आनी चाहिए। बताते चलें कि शेफाली के अंतिम संस्कार का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें एक्टर पारस छाबड़ा एक जर्नलिस्ट को फटकार लगाते नजर आए थे।

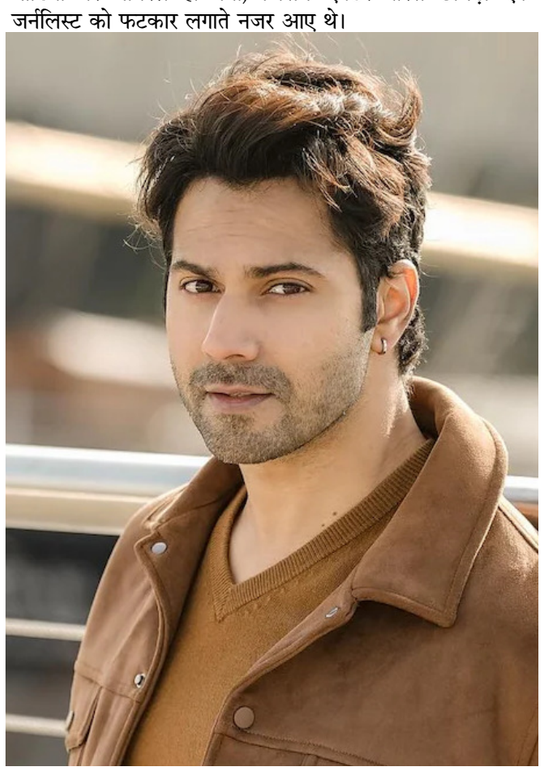

परेश रावल ने हेरा फेरी 3 में वापसी कन्फर्म की

बॉलीवुड एजेंसी

परेश रावल ने हेरा फेरी 3 का विवाद खत्म करते हुए फिल्म में वापसी का कन्फर्मेशन दे दिया है। कुछ समय पहले ही क्रिएटिव डिफरेंस के चलते परेश रावल ने फिल्म हेरा फेरी 3 छोड़ दी थी, जिससे फैंस काफी निराश थे। हालांकि, अब एक्टर ने फिल्म में वापसी कन्फर्म करते हुए कहा है कि वो चाहते हैं कि सब साथ आएं और मेहनत करें। परेश रावल से हिमांशू मेहता के पॉडकास्ट में हेरा फेरी 3 से जुड़े विवाद पर सवाल किया गया था। इसके जवाब में उन्होंने कहा, नहीं कॉन्ट्रोवर्सी कुछ नहीं है। मुझे लगता है कि जब कोई चीज लोगों को इतनी ज्यादा भाती है तो आपको एक्स्ट्रा केयरफुल रहना होता है। ऑडियंस के प्रति हमारी कुछ जिम्मेदारियां हैं। ऑडियंस ने आपको बहुत सराहा है। आप चीजों को हल्के में नहीं ले सकते। मेहनत करके उनको दो। इसलिए मेरा मानना था कि सब हाथ में आएं, मेहनत करें और कुछ नहीं। बातचीत में जब परेश से पूछा गया कि क्या अब वो फिल्म में नजर आएंगे। इसके जवाब में एक्टर ने कहा है, पहले भी आने ही वाली थी, लेकिन हमें खुद को और बेहतर बनाना था। आखिर में सब बहुत क्रिएटिव हैं, चाहे प्रियदर्शन हों, अक्षय हों या सुनील। वो मेरे सालों से दोस्त हैं। दरअसल, परेश रावल हेरा फेरी 3 का हिस्सा थे, हालांकि उन्होंने एक इंटरव्यू में फिल्म छोड़ने की अनाउंसमेंट कर दी।

नसीरुद्दीन शाह ने दिलजीत दोसांझ का सपोर्ट किया

बॉलीवुड एजेंसी

दिलजीत दोसांझ इन दिनों फिल्म सरदार जी 3 में पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर की कास्टिंग को लेकर विवादों में हैं। फिल्म संगठनों ने इस विवाद के चलते उन्हें बॉर्डर 2 से हटाने की मांग की है। हालांकि, इस मामले में दिलजीत को कई सेलिब्रिटीज सपोर्ट भी कर रहे हैं। इम्तियाज अली और जावेद अख्तर के बाद अब नसीरुद्दीन शाह ने भी दिलजीत का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कला को सरहदों से नहीं बांधना चाहिए। नसीरुद्दीन शाह ने फेसबुक पर एक पोस्ट शेयर किया। इसमें उन्होंने लिखा, मैं दिलजीत के साथ मजबूती से खड़ा हूं। जुमला पार्टी की गंदी चालें चलाने वाला विभाग लंबे समय से उन्हें निशाना बनाने का मौका तलाश रहा था और उन्हें अब लगा कि ये मौका मिल गया है। फिल्म की कास्टिंग का फैसला दिलजीत का नहीं था। वह डायरेक्टर का था। लेकिन डायरेक्टर को कोई नहीं जानता, जबकि दिलजीत पूरी दुनिया में जाना जाता है और उसने कास्टिंग इसलिए स्वीकार की क्योंकि उसका मन जहर नहीं था। ये गुंडे असल में भारत और पाकिस्तान के लोगों के बीच सीधे संबंध खत्म करना चाहते हैं। मेरे कुछ करीबी रिश्तेदार और प्यारे दोस्त वहां हैं और मुझे उनसे मिलने या उन्हें प्यार भेजने से कोई रोक नहीं सकता। और जो लोग कहेंगे 'पाकिस्तान जाओ, तो मेरा जवाब होगा तुम कैलासा जाओ। एनडीटीवी क्रिएशन मंच में जावेद अख्तर से दिलजीत दोसांझ के हानिया आमिर के साथ काम करने पर सवाल किया गया था। साथ ही ये भी कहा गया कि उनका दावा है कि फिल्म पहले बनाई गई है।

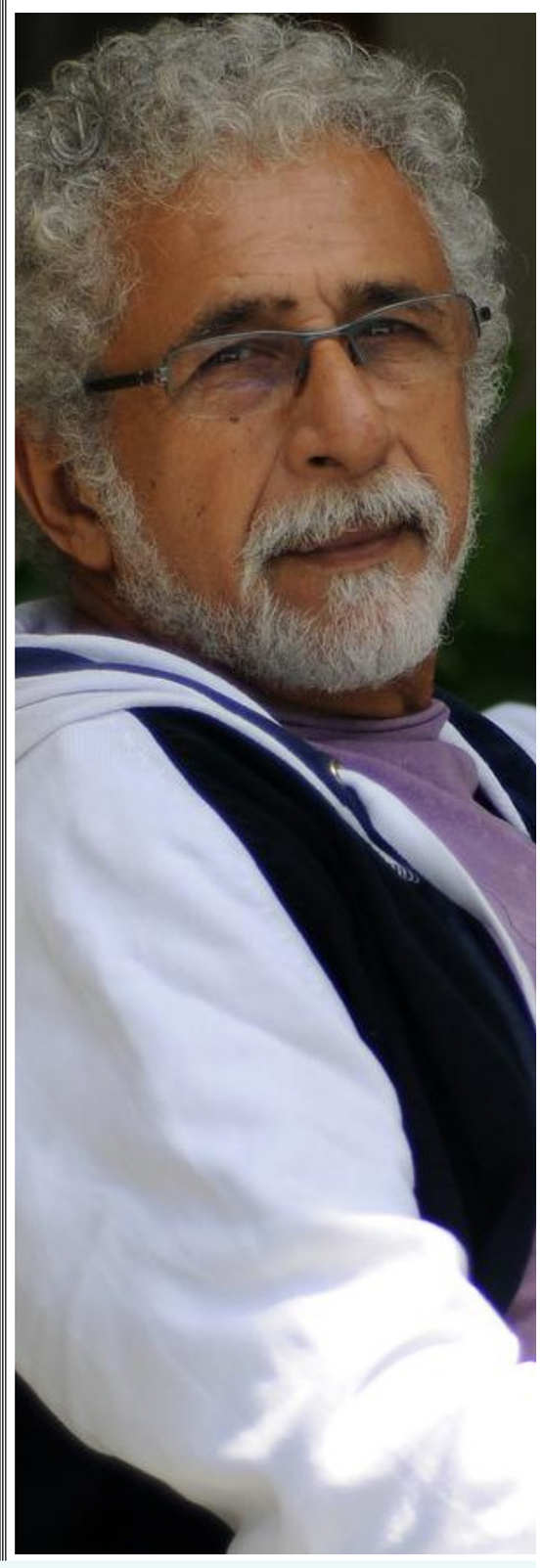

श्वेता तिवारी के मारपीट के दावे को राजा ने नकारा

बॉलीवुड एजेंसी

टेलीविजन की मशहूर एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने सालों पहले पूर्व पति राजा चौधरी पर मारपीट करने के आरोप लगाए थे। हालांकि अब राजा ने एक इंटरव्यू में इन दावों को नाकारा है। उन्होंने इसके अलावा अपनी शादी टूटने पर भी बात की। साथ ही उन्होंने श्वेता और कसौटी जिंदगी की को-स्टार सेजान खान की नजदीकियों पर सवाल खड़े किए। हिंदी रश को दिए इंटरव्यू में जब राजा चौधरी से श्वेता के साथ मारपीट करने से जुड़े सवाल किए गए तो उन्होंने कहा, कोई फिजिकल वायलेंस हुआ ही नहीं। एक-दो बार उसके घर के दरवाजे जरूर तोड़े हैं। ये भी तब की ही बात होगी, जब हम लोग अलग-अलग हो ही चुके थे। वो भी बेवकूफी में। उन लोगों को क्या ही जरुरत है कि बाहर ही खड़ा रहेगा, अंदर नहीं आ सकता। दरवाजा खोल दो इज्जत से, बात करके चला ही जाएगा न आदमी। लेकिन उसे उकसा लो, दरवाजे बंद कर दो, नहीं मिलना है, ये करना है। जाट खोपड़ी सटक जाती है कई बार, दरवाजे तोड़ दिए, पुलिस आ गई। उन लोगों को कहानी बनाने में बहुत मजा आता है। एक से दो, दो से चार। ये सब फर्जी कहानियां हैं जो चली जा रही हैं। आगे राजा चौधरी ने कहा, 2007 के अगर आप न्यूज क्लिप देखो, तो उसमें था कि श्वेता तिवारी के पति ने उसे पीटा, उसका तलाक हो गया। श्वेता तिवारी के पति को पुलिस ने पकड़ लिया। एक हीरोइन बना दी उन्होंने और एक विलेन बना दिया। हीरोइन पहले से फेवरेट है, टीवी शो कर रही है। वो एक फेवरेट एक्टर है, तो विलेन तो बनना ही था। उसमें सपोर्टिव कैमरा मैन और न्यूज एंगल ऐसे ही थे। उस समय किसने बताया कि स्टोरी क्या है।

लेटेंट में नजर आए कॉमेडियन महीप सिंह का शो कैंसिल देहरादून में वेन्यू के बाहर बजरंग दल ने किया जमकर विरोध

बॉलीवुड एजेंसी

समय रैना के शो इंडियाज गॉट लेटेंट में नजर आ चुके कॉमेडियन महीप सिंह का देहरादून में होने वाला शो कैंसिल कर दिया गया है, जिसका टाइटल था, 'मम्मी कैसी हैं'। शो रविवार यानी 29 जून को होना था, हालांकि इससे पहले बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के प्रदर्शनकारियों ने विरोध करते हुए जमकर हंगामा किया। विरोध के बाद मैनेजमेंट ने महीप सिंह का शो कैंसिल करने का फैसला लिया। इस विवाद को कॉमेडियन महीप सिंह ने मजाकिया अंदाज में बताते हुए 'शो कैंसिलिंग व्लॉग' शेयर किया है। उन्होंने कहा है, देहरादून में रविवार को मेरा शो था कॉमेडी का। हम तो आ रहे थे, चल भी पड़े थे। ये जो भाई नजर आ रहे हैं, इन्होंने ये वीडियो बनाकर हमें भेजा और धमकी दी कि अगर आप आएंगे तो हम उसका उग्र प्रदर्शन करेंगे, क्योंकि आपकी कॉमेडी वल्गर है। इन्होंने कभी देखी नहीं है, लेकिन इन्हें पता चल गया कि कॉमेडी वल्गर है और इन्होंने धमकी दी है कि आप नहीं आएं यहां पर। आगे महीप सिंह ने बताया है कि उन प्रदर्शनकारियों ने वेन्यू पर मौजूद मैनेजर्स को भी धमकी दी है, जिसकी वजह से शो कैंसिल करना पड़ा है।

बताते चलें कि देहरादून में बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद द्वारा महीप सिंह के शो का विरोध किया गया है। कृष्णा धाम गोशाला देहरादून के ऑफिशियल पेज से महीप सिंह को चेतावनी देते हुए लिखा गया है, देव भूमि उत्तराखंड में अश्लील मजाकिया कलाकारों को समाज में गलत माहौल नहीं फैलाने दिया जाएगा। शॉपिंग मॉल चेत जाए और कार्यक्रम को रद्द करे अन्यथा बजरंग दल का उग्र आंदोलन होगा। मॉल के बाहर हंगामा होने के बाद देहरादून के सेंट्रियो मॉल ने ऑफिशियल अकाउंट से पोस्ट शेयर कर शो कैंसिल होने की जानकारी दी। पोस्ट में लिखा गया, %आंतरिक वजह के चलते सेंट्रियो मॉल में होने वाला 29 जून का शो कैंसिल कर दिया गया है। बुकिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से पूरा रिफंड दिया जाएगा। असुविधा के लिए क्षमा। बताते चलें कि देहरादून में होने वाले महीप सिंह के शो का टाइटल 'मम्मी कैसी हैं' था। ये वही डायलॉग है, जिससे महीप सिंह कंट्रोवर्शियल शो इंडियाज गॉट लेटेंट में भी चर्चा में आ गए थे। शो में उनके साथ राखी सावंत भी पेनल जज में शामिल हुई थीं। उन्होंने राखी पर भी कई अश्लील टिप्पणियां की थीं।

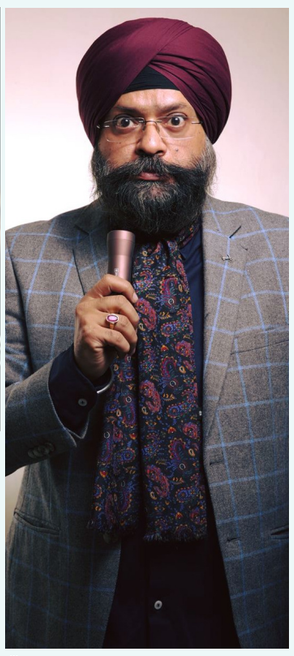

सूखे और फटे होंठों के लिए घर पर ही बनाएं कॉफी बाम

अगर आप चाहें तो कॉफी की मदद से लिप बाम बनाकर बेहद आसानी से उसका इस्तेमाल कर सकती हैं। यूं तो बाजार में कई तरह के लिप बाम मिलते हैं, लेकिन कई बार उनमें केमिकल्स ज़्यादा होते हैं या वो फिर वे आपके होंठों पर सूट नहीं करते और आपको इचिंग या जलन का अहसास होता है। अगर आपको कॉफ़ी की खुशबू बहुत पसंद है और आप उसे अपनी डाइट का हिस्सा जरूर बनाते हैं तो अब आप कॉफी को अपने ब्यूटी रूटीन में भी शामिल करें। जी हां, कॉफी की मदद से कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स खुद घर पर ही बनाए जा सकते हैं। यह सिर्फ सुबह की नींद भगाने के लिए नहीं है, बल्कि ये आपकी स्किन, खासतौर से आपके होंठों के लिए बेहद फायदेमंद है। कॉफी आपके होंठों की डेड स्किन को धीरे से हटाती है, ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाती है, और इससे एक हल्का नेचुरल टिंट भी मिलता है। अगर आप चाहें तो कॉफी की मदद से लिप बाम बनाकर बेहद आसानी से उसका इस्तेमाल कर सकती हैं। यूं तो बाजार में कई तरह के लिप बाम मिलते हैं, लेकिन कई बार उनमें केमिकल्स ज़्यादा होते हैं या वो फिर वे आपके होंठों पर सूट नहीं करते और आपको इचिंग या जलन का अहसास होता है। तो क्यों न आप खुद ही घर पर एक प्यारा सा, नेचुरल लिप बाम बना लें। इन्हें बनाना बेहद आसान है और आप अपनी पसंद के अनुसार इसे बेहद ही आसानी से कस्टमाइज भी कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको घर पर ही कॉफी लिप बाम बनाने के आसान तरीके के बारे में बता रहे हैं-सिंपल और रॉयल लुक के लिए वियर करें ये स्टोन वर्क नेकलेस सेट, लगेंगी सबसे खूबसूरत

कॉफी और नारियल तेल लिप बाम

यह लिप बाम रूखे होंठों के लिए एकदम सही माना गया है, क्योंकि नारियल का तेल होंठों को गहराई से मॉइश्चराइज़ करता है। जबकि कॉफी हल्का स्क्रब देती है और रक्त संचार को बढ़ाती है। इसके अलावा, विटामिन ई हीलिंग में मदद करता है।

आवश्यक सामग्री

1 चम्मच नारियल का तेल,

1 चम्मच बीवैक्स , आधा चम्मच पिसी हुई कॉफी, विटामिन ई तेल की कुछ बूंदे

इसे कैसे बनाएं

सबसे पहले नारियल तेल और बीवैक्स को डबल बॉयलर या माइक्रोवेव में थोड़ी-थोड़ी देर में पिघलाएं। अब इसमें कॉफी डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इसके बाद, इसमें विटामिन ई तेल मिलाएं। तैयार लिप बाम को एक छोटे कंटेनर में डालें और इसे ठंडा होकर जमने दें।

कॉफी और शहद लिप बाम

यह लिप बाम फटे होंठों को ठीक करने में मददगार साबित हो सकता है। दरअसल, शहद एक एंटी-बैक्टीरियल है और घाव भरने में मदद करता है। वहीं, कॉफी धीरे से एक्सफोलिएट करती है। जबकि जैतून का तेल स्किन को पोषण देता है।

1 चम्मच जैतून का तेल, आधा चम्मच शहद, आधा चम्मच बीवैक्स ,आधा चम्मच इंस्टेंट कॉफी पाउडर या पिसी हुई कॉफी

इसे कैसे बनाएं

बीवैक्स और जैतून के तेल को एक साथ पिघलाएं। अब इसमें शहद और कॉफी पाउडर को मिलाएं।

इसे अच्छी तरह से मिलाएं और एक कंटेनर में डालकर जमने दें।

चार धाम यात्रा की ऑनलाइन बुकिंग के दौरान आपके साथ हो सकता है फ्रॉड, इन बातों का रखें ध्यान

अगर आप भी चार धाम यात्रा की बुकिंग कराने की सोच रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इन ठगों से बचने के लिए कुछ जरूरी बातों के बारे में बताने जा रहे हैं। चार धाम यात्रा पर निकलने के लिए श्रद्धालु बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। प्राप्त रिपोर्ट्स के मुताबिक अब तक करीब 19 लाख लोगों ने चारधाम यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। यात्रा के पहले दिन भक्तों की भारी भीड़ उमड़ने की उम्मीद जताई जा रही हैं। लेकिन इस दौरान यात्रियों के साथ ठगी होने की खबरें भी सामने आ रही हैं। दरअसल, श्रद्धा की आड़ में कुछ लोग श्रद्धालुओं के साथ ठगी कर रहे हैं। ऐसे में कहीं आपके साथ भी फ्रॉड न हो जाए, इसके लिए आपको कुछ बातों का खास ख्याल रखना चाहिए। ठगी करने वाले लोग होटल से लेकर हेलिकॉप्टर बुकिंग जैसी सुविधाओं पर लोगों से पैसे लूट रहे हैं। ऐसे में अगर आप भी चार धाम यात्रा की बुकिंग कराने की सोच रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इन ठगों से बचने के लिए कुछ जरूरी बातों के बारे में बताने जा रहे हैं।

आपके साथ भी न हो जाए ठगी

बता दें कि ठगी करने वाले लोगों ने ऑनलाइन वेबसाइट और एप्स बनाए हैं। जहां पर बजट में बस, होटल और हेलिकॉप्टर की सुविधाएं देते हैं। यह एप्स और वेबसाइट असली मालूम होते हैं और लोग इससे बुकिंग कर लेते हैं। जिसके कारण उनके पैसे डूब जाते हैं। ऐसे में अगर आप बुकिंग करने जा रहे हैं, तो आपको फेक वेबसाइट और ऐप से सावधान और सतर्क रहना चाहिए।

क्या ट्रिप प्लान कर रहे हैं जानिए क्यों अकबर ट्रैवेल्स सबसे बेहतर है

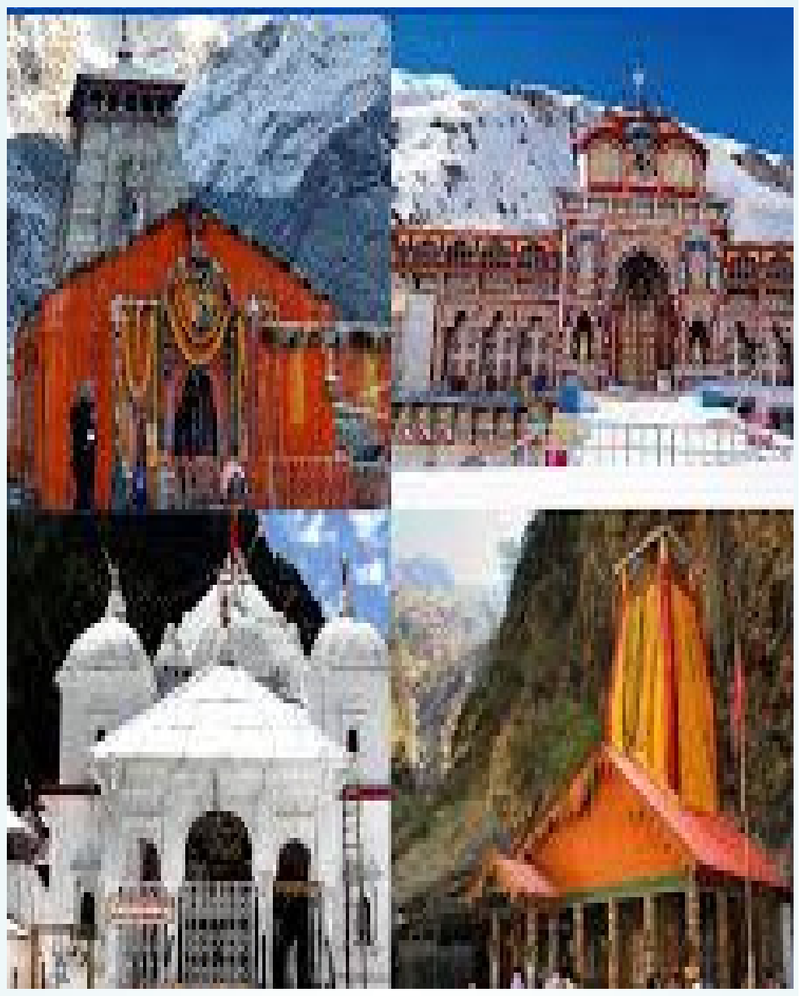

आजकल लोगों ने चारधाम यात्रा को धंधा बना दिया है। वहीं सोशल मीडिया पर भी कई तरह से इस ठगी को अंजाम दिया जा रहा है। हाल ही में एक व्यक्ति से फेसबुक पर हेलीकॉप्टर बुकिंग के नाम पर 3,600 रुपए लूटे गए। ठग करने वाले खुद को ट्रैवल एजेंसी का बताते हैं, जिससे यात्रियों का नुकसान होता है। इसलिए किसी भी ऑनलाइन वेबसाइट पर भरोसा न करें।इस समय चार धाम यात्रा की पूरी बुकिंग नकली एजेंट करवा रहे हैं। इस दौरान वह चारधाम दर्शन के साथ रहने, खाने और बस-कैब की सुविधा भी दे रहे हैं। इसलिए एजेंट से बुकिंग कराने से पहले उसकी पूरी सत्यता जान लें। चारधाम यात्रा की बुकिंग के समय आपके साथ किसी भी तरह का फ्रॉड न हो, इसके लिए आपको उत्तराखंड सरकार की आधिकारिक वेबसाइट से पैकेज बुक करना चाहिए। वहीं आप ट्रैवल एजेंसियों से भी टिकट बुक कर सकते हैं। वहीं ऑफिशियल वेबसाइट से बुकिंग करने पर आपको किसी भी तरह की ठगी की चिंता नहीं रहेगी। इसलिए सस्ते के चक्कर में अपना नुकसान नहीं करवाना चाहिए। अगर आप चार धाम यात्रा की बुकिंग कराना चाहते हैं, तो आपको उत्तराखंड में स्थित पैकेज कर्ता से बुकिंग करानी चाहिए। इससे आपको अपने साथ ठगी की चिंता नहीं रहेगी। आप चाहें तो खुद ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। यह हर यात्रियों के लिए फ्री है।

नए दोस्त बनाने में होती है हिचकिचाहट कैसे करें इस चुनौती का सामना

बहुत से लोगों को लगता है कि नए दोस्त बनाना एक अनावश्यक काम है, लेकिन ईमानदारी से कहूं तो नए लोगों से जुड़ने की क्षमता एक मूल्यवान कौशल है। यह ऐसी चीज़ है जिसे हम सभी को विकसित करना चाहिए। मैं खुद इस चुनौती का सामना कर रही हूं और मुझे कुछ विशेषज्ञ सुझाव मिले हैं, जिन्हें मैं आपके साथ साझा कर रही हूं। मेरे लिए नए दोस्त बनाना मुश्किल है और मैं जानती हूँ मैं अकेली नहीं हूं, मेरे जैसे बहुत से लोग हैं, जिन्हें नए दोस्त बनाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। स्कूल से लेकर कॉलेज और दफ्तर तक, हम स्वाभाविक रूप से ऐसे संबंध बनाते हैं, जो अक्सर दोस्ती में बदल जाते हैं। हालांकि, जैसे-जैसे समय गुजरता है और जीवन व्यस्त होने लगता है, इनमें से कई रिश्ते खत्म हो जाते हैं, चाहें वह पसंद से हो या परिस्थिति की वजह से। यही वह समय होता है जब आपको नए दोस्तों की जरूरत होती है।

नए दोस्त बनाना जरुरी नहीं है, लेकिन अगर आप नए दोस्त बनाते हैं तो आपको जीवन जीने के नए नजरिए मिलेंगे, जो बेहतर भविष्य के लिए आपको तैयार करेंगे। बहुत से लोगों को लगता है कि नए दोस्त बनाना एक अनावश्यक काम है, लेकिन ईमानदारी से कहूं तो नए लोगों से जुड़ने की क्षमता एक मूल्यवान कौशल है। यह ऐसी चीज़ है जिसे हम सभी को विकसित करना चाहिए। मैं खुद इस चुनौती का सामना कर रही हूं और मुझे कुछ विशेषज्ञ सुझाव मिले हैं, जिन्हें मैं आपके साथ साझा कर रही हूं। दोस्ती विशेषज्ञ चैनल जैक ने बताया कि लोग कुल मिलाकर आपको बेहतर या बदतर बना सकते हैं, इसलिए आप किसके साथ दोस्ती करना और किसके साथ जुड़ना चुनते हैं, यह महत्वपूर्ण है और इसका आपके जीवन की गुणवत्ता पर सीधा प्रभाव पड़ता है। क्यों करते हैं लोग, कैसे ये मानसिक स्वास्थ्य और रिश्तों को नुकसान पहुंचाता है, इसे कम करने के तरीके कोई %तीसरी जगहऔर रोजाना वहां जाएं- एक्सपर्ट ने बताया कि जो लोग नए दोस्त बनाना चाहते है।

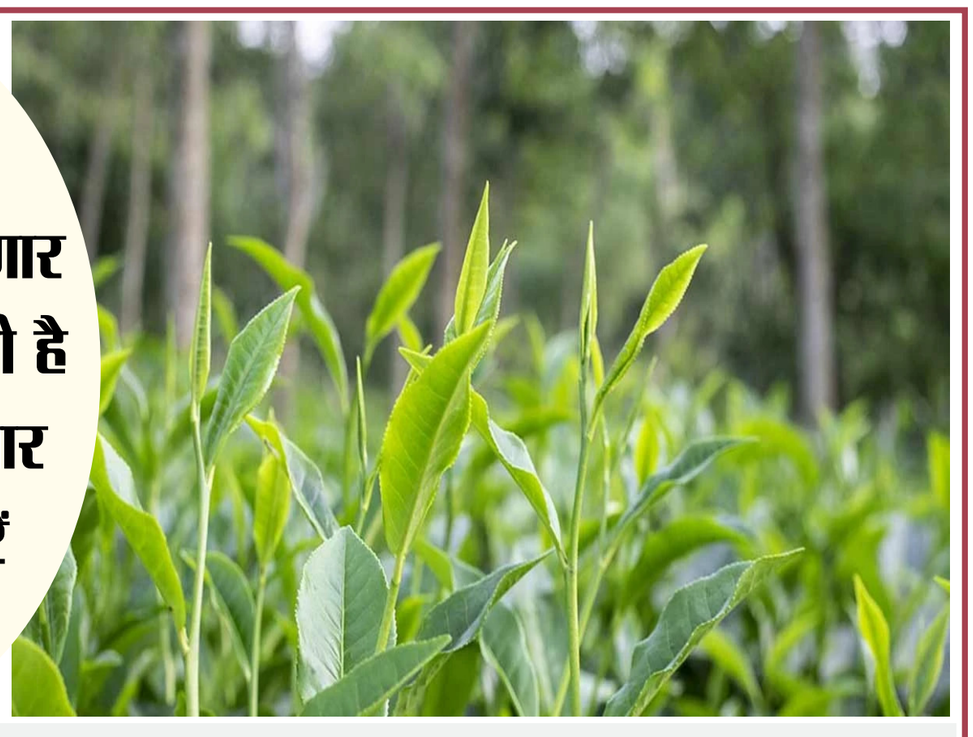

घर की साफ-सफाई में मददगार साबित हो सकती है ग्रीन टी, इन चार तरीकों से करें इस्तेमाल

आईने और खिड़की की सफाई के लिए आप ग्रीन टी की मदद से नेचुरल ग्लास क्लीनर बनाकर इस्तेमाल कर सकती है। ग्रीन टी के एंटीऑक्सीडेंट चिकनाई और गंदगी को साफ करते हैं और इसमें कोई हार्श केमिकल भी नहीं होता है। ग्रीन टी को सेहत के लिए काफी अच्छा माना जाता है। अमूमन लोग अपनी वेट लॉस जर्नी में ग्रीन टी को शामिल करते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि ग्रीन टी सिर्फ आपकी सेहत की साथी नहीं है, बल्कि यह होम क्लीनिंग में भी उतनी ही मददगार है। दरअसल, ग्रीन टी में नेचुरल एंटी-ऑक्सीडेंट्स और बैक्टीरिया से लड़ने वाले गुण होते हैं, जो इसे घर की सफाई के लिए भी बेहतरीन बनाते हैं। चाहे वो फ्रिज की अजीब सी गंध हटाना हो, शीशे को चमकाना हो या जूतों को फ्रेश करना हो, ग्रीन टी सब कर सकती है, वो भी बिना किसी केमिकल के। यहां सबसे अच्छी बात यह है कि आप इस्तेमाल की हुई टी बैग्स को फेंकने की बजाय आप उन्हें दोबारा काम में ले सकते हैं। इससे न सिर्फ आपका घर साफ़ रहेगा, बल्कि यह पर्यावरण के लिए भी अच्छा है। तो चलिए आज इ लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आप ग्रीन टी की मदद से घर की साफ-सफाई किस तरह से कर ब्रेकफास्ट में बनाएं यह साउथ इंडियन डिश मद्दूर वडा, स्वाद ऐसा कि बार-बार खाने का होगा मन

बनाएं नेचुरल ग्लास क्लीनर

आईने और खिड़की की सफाई के लिए आप ग्रीन टी की मदद से नेचुरल ग्लास क्लीनर बनाकर इस्तेमाल कर सकती है। ग्रीन टी के एंटीऑक्सीडेंट चिकनाई और गंदगी को साफ करते हैं और इसमें कोई हार्श केमिकल भी नहीं होता है। इसके लिए 2 ग्रीन टी बैग्स को 1 कप पानी में उबालकर ठंडा करें। अब इसे स्प्रे बॉटल में डालें। शीशों, ग्लास टेबल या खिड़कियों पर स्प्रे करें और माइक्रोफाइबर कपड़े या अखबार से पोंछें।

करें लकड़ी की साफ-सफाई

लकड़ी की साफ-सफाई करने के लिए भी ग्रीन टी का इस्तेमाल किया जा सकता है। यह लकड़ी पर सॉफ्ट रहता है और पॉलिश को नुकसान पहुंचाए बिना गंदगी हटा देता है। इसके इस्तेमाल के लिए ग्रीन टी बनाकर उसे ठंडा करें। अब ठंडी की हुई ग्रीन टी में मुलायम कपड़ा डुबोएं। पानी निचोड़ें और लकड़ी के टेबल, अलमारी या शेल्फ साफ करें।

चिकने बर्तन करें साफ

आपको शायद जानकर हैरानी हो, लेकिन ग्रीन टी चिकने बर्तनों को साफ करने में भी मददगार है। दरसअल, ग्रीन टी के टैनिन्स तेल और चिकनाई को तोड़ते हैं जिससे बर्तन धोना आसान हो जाता है। इसके लिए आप इस्तेमाल की हुई ग्रीन टी बैग्स को चिकने बर्तनों या सिंक में डालें। इसे थोड़ी देर भिगोएं और फिर स्क्रब करें।

कारपेट की बदबू करें दूर

अगर आप कारपेट से आने वाली बदबू को दूर करना चाहते हैं तो ऐसे में आप ग्रीन टी की मदद ले सकते हैं। इसके लिए आप यूज़ की हुई ग्रीन टी पत्तियों को अच्छे से सुखाएं और फिर उसमें थोड़ा बेकिंग सोडा मिलाएं। इस मिक्स को कार्पेट पर छिड़कें और करीबन 15-20 मिनट बाद वैक्यूम कर लें। ये मिक्स नमी और बदबू दोनों को सोख लेता है।

फेवरेट टीवी शो देखते हुए करें ये स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज, नहीं सताएगा पीठ और कमर का दर्द

यदि आपके पास भी सुबह एक्सरसाइज करने का समय नहीं है या फिर जिम जाना संभव नहीं है, तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। आप अपना पसंदीदा टीवी शो देखते हुए भी कुछ आसान स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज कर सकती हैं। स्वस्थ रहने के लिए जरूरी है कि आप फिट रहें। लेकिन व्यस्त लाइफस्टाइल के कारण अधिकतर लोग अपने लिए समय नहीं निकाल पाते हैं और खुद पर ध्यान नहीं दे पाते हैं। खासतौर पर महिलाएं घर और बाहर की तमाम जिम्मेदारियों के बीच अपनी फिटनेस और हेल्थ पर ध्यान नहीं दे पाती हैं। जिसके कारण उनका वेट बढ़ जाता है और शरीर को कई बीमारियां घेर लेती हैं। जिसकी वजह से जोड़ों से जुड़ी समस्याएं, घुटनों का दर्द और एनर्जी में कमी आदि होने लगती है। यदि आपके पास भी सुबह एक्सरसाइज करने का समय नहीं है या फिर जिम जाना संभव नहीं है, तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। आप अपना पसंदीदा टीवी शो देखते हुए भी कुछ आसान स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज कर सकती हैं। यह छोटी-छोटी एक्सरसाइज न सिर्फ आपको फिजिकली फिट रखेंगी बल्कि आपकी मेंटल हेल्थ पर भी पॉजिटिव रिजल्ट डालेंगी। ऐसे में आज हम आपको 3 ऐसी स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको आप अपने लिविंग रूम में सोफे का इस्तेमाल करते हुए भी कर सकती हैं। वेट लॉस जर्नी पर पाना चाहते हैं बेस्ट रिजल्ट तो जानिए कौन सा वर्कआउट है ज्यादा असरदार

लंबर स्ट्रेच

लंबे समय तक बैठे रहने या फिर गलत मुद्रा में बैठने के कारण पीठ दर्द की समस्या हो जाती है। यह एक्सरसाइज पीठ दर्द और जकड़न से राहत दिलाने का काम करता है। वहीं यह पीठ के निचले हिस्से को स्ट्रेच करने का बेस्ट तरीका है। इस स्ट्रेच को करने से कमर और पीठ के निचले हिस्से में दर्द कम होता है। साथ ही मसल्स में लचीलापन बढ़ता है और रीढ़ की हड्डी को सहारा मिलता है। इस एक्सरसाइज को करने से मसल्स का तनाव कम होता है और ब्लड सर्कुलेशन भी अच्छा रहता है। ऐसे करें सबसे पहले सोफे के सामने फर्श पर पीठ को सीधा करके बैठ जाएं। दोनों घुटनों को मोड़ें और पैरों को जमीन पर रखें। फिर सांस भरते हुए दोनों हाथों को सीधा ऊपर की तरफ उठाएं और उंगलियों को आपस में फंसा लें। अब गर्दन को आरामदायक स्थिति में रखें और हल्के से पीछे की ओर जाने दें। इस पोजिशन में कुछ सेकेंड रुकने के बाद सामान्य सांस लेते रहें और स्ट्रेच को महसूस करें।एफिर सांस छोड़ते हुए धीरे-धीरे सामान्य पोजिश में वापस आएं। आप रोजाना कम से कम 1 मिनट तक इस एक्सरसाइज को करें और इसको 2-3 बार दोहराएं। चेस्ट ओपनर यह एक्सरसाइज उन महिलाओं के लिए अधिक फायदेमंद है, जो अक्सर कंधे झुकाकर बैठती हैं। फोन या कंप्यूटर का अधिक इस्तेमाल करती हैं। इससे चेस्ट की मसल्स सिकुड़ जाती है और कंधे आगे की ओर झुक जाते हैं। ऐसे में यह एक्सरसाइज करने से चेस्ट की मसल्स खुलती है और पीठ व कमर का दर्द दूर होता है।

एक शतक जड़ते ही विराट और सचिन को इस मामले में पीछे छोड़ देंगे पंत..

खेल एजेंसी

बर्मिंघम। पंत ने अब तक इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में कुल मिलाकर पांच शतक जड़े हैं। इनमें चार शतक पंत ने इंग्लैंड की धरती पर और एक शतक भारतीय सरजमीं पर लगाया है। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला बुधवार से बर्मिंघम में खेला जाएगा। इसको लेकर भारतीय खिलाड़ी जमकर पसीना बहा रहे हैं। लीड्स में हार के बाद भारत को वापसी करने के लिए यह टेस्ट जीतना होगा। हालांकि, बर्मिंघम में टीम इंडिया का पिछला रिकॉर्ड कुछ खास नहीं रहा है। टीम ने आठ में से सात मैच गंवाए हैं और एक मैच ड्रॉ रहा है। हालांकि, शुभमन गिल अगला टेस्ट जीतकर इस मैदान पर जीत हासिल करने वाले पहले कप्तान बनना चाहेंगे। टीम को एक बार फिर ऋषभ पंत से काफी उम्मीदें होंगी। भारत जब पिछली बार इस मैदान पर उतरा था तो पंत ने शतक लगाया था। 2022 में खेले गए उस मुकाबले में पंत ने पहली पारी में 146 रन और दूसरी पारी में 57 रन बनाए थे। अब उनसे फिर से शतक की उम्मीद

की जा रही है। अगर वह आगामी टेस्ट में एक शतक लगाते हैं तो विराट कोहली और सचिन तेंदुलकर को दो अलग-अलग मामले में पीछे छोड़ देंगे। फिर उनसे आगे सिर्फ राहुल द्रविड़ रह जाएंगे। दरअसल, पंत ने अब तक इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में कुल मिलाकर पांच शतक जड़े हैं। इनमें चार शतक पंत ने इंग्लैंड की धरती पर और एक शतक भारतीय सरजमीं पर लगाया है। अगर वह एक शतक लगाते हैं तो इंग्लैंड में द्रविड़ के बाद दूसरे सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन जाएंगे। अभी वह सचिन और दिलीप वेंगसरकर के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। तीनों ने इंग्लैंड की धरती पर चार-चार शतक लगाए हैं। एक शतक लगाते ही पंत सचिन को पीछे छोड़ देंगे। द्रविड़ इस लिस्ट में शीर्ष पर हैं। उन्होंने इंग्लैंड में सबसे ज्यादा छह शतक लगाए हैं। अगर पंत दोनों पारियों में शतक लगाते हैं तो द्रविड़ की बराबरी कर लेंगे। दो से ज्यादा शतक लगाकर पंत के पास इस सीरीज में द्रविड़ से आगे निकलने का भी मौका है।

इतना ही नहीं, एक शतक लगाते ही पंत इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में दूसरे सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज भी बन जाएंगे। इस मामले में वह मोहम्मद अजहरुद्दीन की बराबरी करेंगे। पंत ने घर और इंग्लैंड को मिलाकर इंग्लिश टीम के खिलाफ पांच शतक लगाए हैं। वह कोहली, पुजारा और वेंगसरकर के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं। एक शतक लगाते ही उनके छह शतक हो जाएंगे और अजहरुद्दीन की बराबरी कर लेंगे। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय में द्रविड़ और सचिन शीर्ष पर हैं। दोनों ने इंग्लिश टीम के खिलाफ सात-सात शतक जड़े हैं। पंत के पास इनसे आगे निकलने का भी मौका है। इंग्लैंड में ओवरऑल सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले विदेशी बल्लेबाजों में ऑस्ट्रेलिया के महान सर डॉन ब्रैडमैन शीर्ष पर हैं। उन्होंने इंग्लैंड में 11 शतक जड़े थे। दूसरे और तीसरे नंबर पर भी ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ही हैं। स्टीव स्मिथ ने इंग्लैंड में आठ शतक और पूर्व कप्तान स्टीव वॉ ने इंग्लैंड में सात शतक लगाए हैं। इसके बाद विदेशी बल्लेबाजों में राहुल द्रविड़ (6 शतक), वेस्टइंडीज के गॉर्डन ग्रीनीज (6 शतक), ऑस्ट्रेलिया के विलियम बार्डस्ले (5 शतक) और एलेन बॉर्डर (5 शतक) का नंबर आता है। वेस्टइंडीज के सर विवियन रिचर्ड्स, दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ, वेस्टइंडीज के सर गैरी सोबर्स और ऑस्ट्रेलिया के मार्क टेलर ने भी इंग्लैंड में पांच-पांच शतक लगाए हैं।

वाणी जर्मन मास्टर्स गोल्फ में संयुक्त छठे नंबर पर रहीं

खेल एजेंसी

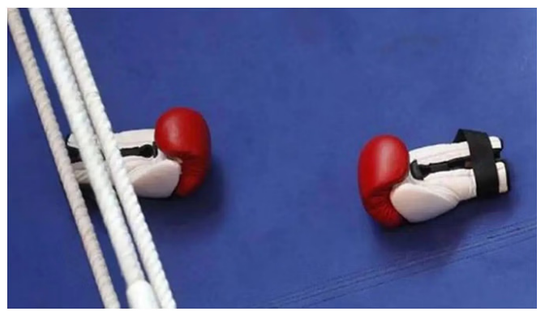

हैमबर्ग (जर्मनी)। मौजूदा सत्र में अपना तीसरा टूर्नामेंट खेल रहीं वाणी ने इस सप्ताह 72, 70, 76, 71 के स्कोर के साथ कुल तीन अंडर का स्कोर बनाया। भारतीय गोल्फर वाणी कपूर ने अमूंडी जर्मन मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट में निराशाजनक तीसरे दौर के बाद शानदार वापसी करते हुए अंतिम दौर में दो अंडर 71 के स्कोर के साथ अपने अभियान को संयुक्त छठे स्थान के साथ खत्म किया। वाणी अक्तूबर 2022 के बाद एलईटी (लेडीज यूरोपीय टूर) पर पहली बार शीर्ष 10 में रही है। उन्होंने इससे

पहले हीरो महिला इंडियन ओपन में संयुक्त आठवां स्थान हासिल किया था। मौजूदा सत्र में अपना तीसरा टूर्नामेंट खेल रहीं वाणी ने इस सप्ताह 72, 70, 76, 71 के स्कोर के साथ कुल तीन अंडर का स्कोर बनाया। भारत की दीक्षा डागर भी संयुक्त आठवें स्थान के साथ शीर्ष 10 में रही। दीक्षा ने चौथे दिन एक ओवर 74 का कार्ड खेला। शुरुआती दो दिनों में 69, 73 का कार्ड खेलने के बाद दीक्षा शीर्ष पांच में थी लेकिन तीसरे और चौथे दौर में 74, 74 के कार्ड के बाद वह संयुक्त आठवें स्थान पर खिसक गयी। कट में प्रवेश करने वाली एक अन्य भारतीय अवनि प्रशांत पार 73 के कार्ड के साथ संयुक्त 26वें स्थान पर रही। अवनि ने शुरुआती तीन दौर में 73, 74, 74 के कार्ड खेले थे। सिंगापुर की शैनन टैन अंतिम दिन तीन ओवर 76 का कार्ड खेलने के बावजूद एक शॉट से जीत हासिल करने में सफल रही। शैनन का एलईटी पर यह दूसरा खिताब है। शैनन (70,69,68,76) ने जर्मनी को हेलन ब्रीम (68, 70, 73, 73) को करीबी मुकाबले में पछाड़कर खिताब जीता।

राष्ट्रीय स्तर की नाबालिग मुक्केबाज ने महिला कोच पर लगाया यौन शोषण का आरोप, माता-पिता ने दर्ज कराई एफआईआर

खेल एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) और साई ने 17 वर्षीय पीड़िता द्वारा डराने-धमकाने और थप्पड़ मारने की घटनाओं के बारे में शिकायत मिलने की बात स्वीकार की है। हालांकि, एफआईआर में दर्ज यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर सूचित किए जाने से इनकार किया है। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के रोहतक केंद्र की राष्ट्रीय मुक्केबाजी अकादमी की महिला कोच पर राष्ट्रीय स्तर की एक नाबालिग मुक्केबाज ने यौन शोषण का आरोप लगाया है। इस मुक्केबाज के माता-पिता ने कोच के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईएआर) दर्ज कराई है। इसके अनुसार, लगातार मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न के कारण यह नाबालिग मुक्केबाज अवसाद में

चली गई है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार, भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) और साई ने 17 वर्षीय पीड़िता द्वारा डराने-धमकाने और थप्पड़ मारने की घटनाओं के बारे में शिकायत मिलने की बात स्वीकार की है। हालांकि, एफआईआर में यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर सूचित किए जाने से इनकार किया है। वहीं, बीएफआई और साई ने बताया कि उनकी आंतरिक जांच में कोच के खिलाफ किसी प्रकार का सबूत नहीं मिला है। यह कोच इस समय जूनियर और युवा मुक्केबाजों के लिए राष्ट्रीय शिविर के संचालन में प्रमुख भूमिका निभा रही हैं। रोहतक पुलिस स्टेशन में दर्ज प्राथमिकी में पीड़िता ने कहा है कि कोच ने एक बार जबरन उसके कपड़े उतारने की कोशिश की, उसे कई बार थप्पड़ मारे, उसका करियर बर्बाद करने की धमकी दी और अन्य मुक्केबाजों के सामने उसके चरित्र पर सवाल उठाए। कोच के खिलाफ शिकायत भारतीय न्याय संहिता की धारा 115 (जान बूझकर से चोट पहुंचाना) और 351 (3) (आपराधिक धमकी) के साथ-साथ यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम की धारा 10 (गंभीर यौन उत्पीड़न) के तहत दर्ज की गई है। साई ने कहा कि जरूरत पड़ने पर वह जांच में सहायता करेगा। आरोप लगाने वाली इस मुक्केबाज के माता-पिता ने कहा है जिस तरह से बीएफआई का इस मामले में रवैया रहा है, वे इससे खुश नहीं हैं। पीड़िता के माता-पिता ने उसके खिलाफ हुई दुर्व्यवहार का वर्णन करते हुए बताया कि आयरलैंड दौरे पर कोच ने इस मुक्केबाज को अपमानित किया और उसका यौन उत्पीड़न भी किया।

विजय अभियान जारी रखने उतरेगी भारतीय महिला टीम, दूसरे टी20 में होगी हरमनप्रीत कौर की वापसी?

खेल एजेंसी

ब्रिस्टल। नॉटिंघम में खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में मंधाना के इस प्रारूप में पहले शतक की बदौलत भारत ने 97 रन से बड़ी जीत दर्ज की थी। दूसरे मैच में हरमनप्रीत की वापसी से जहां भारतीय टीम को मजबूती मिलेगी वहीं इंग्लैंड की टीम की चिंताएं बढ़ेंगी। हरमनप्रीत को अभ्यास मैच के दौरान सिर में चोट लगने के बाद एहतियात के तौर पर पहले मैच में आराम दिया गया था। भारतीय महिला टीम का इंग्लैंड से पांच मैचों की टी20 सीरीज में सामना हो रहा है। हरमनप्रीत कौर की गैरमौजूदगी में भारत ने इंग्लैंड को पहले टी20 मैच में 97 रनों से हराया था। अब टीम की नजर दूसरे मुकाबले में जीत दर्ज कर सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल करने पर होगी। ब्रिस्टल में मंगलवार को दूसरा मुकाबला भारतीय समयानुसार रात 11 बजे से खेला जाएगा, जिसमें हरमनप्रीत की वापसी की उम्मीद है। पहले मुकाबले में

उनकी जगह स्मृति मंधाना ने टीम की कमान संभाली थी। नॉटिंघम में खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में मंधाना के इस प्रारूप में पहले शतक की बदौलत भारत ने 97 रन से बड़ी जीत दर्ज की थी। दूसरे मैच में हरमनप्रीत की वापसी से जहां भारतीय टीम को मजबूती मिलेगी वहीं इंग्लैंड की टीम की चिंताएं बढ़ेंगी। हरमनप्रीत को अभ्यास मैच के दौरान सिर में चोट लगने के बाद एहतियात के तौर पर पहले मैच में आराम दिया गया था।मंधाना के स्ट्रोक्स से भरे शतक ने इंग्लैंड के खेमे में खतरे की घंटी बजा दी होगी, क्योंकि 211 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए उनकी टीम बुरी तरह बिखर गई और 113 रन पर ढेर हो गई। यह वह दिन था जब मंधाना की पारी ने मेजबान टीम को जबरदस्त दबाव में ला दिया, जिसका बाद में भारतीय गेंदबाजों ने पूरा फायदा उठाया। भारत के स्पिन आक्रमण के सामने इंग्लैंड की बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। उसके बल्लेबाजों के पास भारतीय स्पिनरों विशेषकर बाएं हाथ के स्पिनर श्री चरणी का कोई जवाब नहीं था जिन्होंने अपने पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में चार विकेट लिए। पिछले साल टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाली बाएं हाथ की बल्लेबाज मंधाना ने जहां से छोड़ा था, वहीं से शुरुआत की और इंग्लैंड के सभी गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाई। भारतीय खिलाड़ियों को बंगलुरू में लंबे शिविर के बाद इंग्लैंड में जल्दी पहुंचने और कुछ अभ्यास मैचों में खेलने से लय हासिल करने में मदद मिली और पहले मैच में उसने खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया। भारतीय टीम अपनी प्रमुख तेज गेंदबाजों रेणुका सिंह ठाकुर और पूजा वस्त्राकर के चोटिल होने के बावजूद बेहतर टीम नजर आ रही थी। हरलीन देओल को तीसरे नंबर पर उतारने का फैसला भी सही साबित हुआ क्योंकि उन्होंने मंधाना के साथ दूसरे विकेट के लिए 94 रन की साझेदारी कर बड़े स्कोर की नींव रखी।

क्या एजबेस्टन में भारत को पहली जीत दिला पाएंगे गिल

यहां कभी टेस्ट नहीं जीती टीम इंडिया, 2 जुलाई से दूसरा मैच

खेल एजेंसी

बर्मिंघम। भारत एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में 0-1 से पिछड़ रहा है। टीम को लीड्स टेस्ट में इंग्लैंड ने 5 विकेट से हराया था। अब शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम को 5 मैचों की सीरीज में वापसी करने के लिए दूसरा टेस्ट जीतना होगा। यह मुकाबला 2 जुलाई से बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर खेला जाएगा। इस स्टोरी में 143 साल पुराने इस ऐतिहासिक मैदान पर भारत का रिकॉर्ड जानेंगे। साथ ही यहां भारत के टॉप स्कोरर और टॉप विकेट टेकर्स की लिस्ट भी देखेंगे हैं। भारतीय टीम ने एजबेस्टन मैदान पर पहला मैच 58 साल पहले 1967 में खेला था। 13 जुलाई से 15 जुलाई तक खेले इस गए मुकाबले में मंसूर अली खान पटौदी की कप्तानी वाली भारतीय टीम को 132 रनों की हार झेलनी पड़ी थी। तब से अब तक भारतीय टीम ने इस मैदान पर 8 टेस्ट मैच खेले, लेकिन किसी भी मैच में जीत नसीब नहीं हुई। भारतीय टीम ने यहां 39 साल पहले 1986 को एक ड्रॉ मैच खेला था। 3 से 8 जुलाई तक चले इस मुकाबले में मोहिंदर अमरनाथ (79 रन), मोहम्मद अजहर (64 रन) और

सुनील गावस्कर (54 रन) ने अर्धशतकीय पारियां खेलकर मैच ड्रॉ कराया था। इस मैच की कप्तानी कपिल देव कर रहे थे। वर्तमान भारतीय टीम में ऋषभ पंत इकलौते खिलाड़ी हैं, जो एजबेस्टन मैदान पर भारत के टॉप प्लेयर्स की सूची में शामिल हैं। यहां के टॉप स्कोरर्स की सूची में विराट कोहली पहले स्थान पर हैं। उन्होंने 4 पारियों में 57.75 के एवरेज से 231 रन बनाए हैं। इनमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है। 5 प्लेयर्स की इस सूची में सुनील गावस्कर, ऋषभ पंत, सचिन तेंदुलकर और गुंडप्पा विश्वनाथ जैसे नाम हैं। टॉप 5 विकेट टेकर्स में शामिल कोई भी गेंदबाज इंग्लैंड दौरे पर गई भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं। यहां चेतन शर्मा ने 10 विकेट झटके हैं। इस सूची में ईएएस प्रसन्ना, आर अश्विन, कपिल देव और ईशांत शर्मा के नाम हैं। इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ अपना सबसे बड़ा रन चेज इसी मैदान पर किया था। 3 साल पहले 2022 में खेले गए इस मैच में भारत ने 378 रन का विशाल टारगेट सेट किया था। जिसे इंग्लैंड ने 3 सेशन में हासिल कर लिया था। टीम ने चौथे दिन लंच के बाद दूसरी पारी में खेलना शुरू किया और 5वें दिन लंच से पहले जीत हासिल कर ली थी। पंत-जडेजा ने शतकीय पारियां खेलीं 1 से 5 जुलाई तक चले इस मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। भारत ने पहली पारी में ऋषभ पंत (146 रन) और रवींद्र जडेजा (104 रन) की शतकीय पारियों के दम पर 416 रन बनाए।

56 साल के हुए महान सनथ जयसूर्या, सचिन-कैलिस के साथ इस खास सूची में हैं शामिल

खेल एजेंसी

नई दिल्ली। अब तक सिर्फ तीन क्रिकेटर ही ऐसे हुए हैं जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 20 हजार से ज्यादा रन और 200 से ज्यादा विकेट लिए हैं। इनमें जयसूर्या भी शामिल हैं। दुनिया के महानतम क्रिकेटरों में शुमार श्रीलंका के सनथ जयसूर्या 56 साल के हो चुके हैं। उनका जन्म 30 जून 1969 को श्रीलंका के मतारा नाम के जगह पर हुई थी। इस खिलाड़ी ने आगे चलकर न सिर्फ कई रिकॉर्ड्स बनाए, बल्कि श्रीलंकाई टीम की कप्तानी भी की। मैदान पर तबाही मचाने वाले इस दिग्गज से हर गेंदबाज खौफ खाता था। इतना ही

नहीं, अपनी फिरकी से भी जयसूर्या ने बल्लेबाजों को खूब परेशान किया। फिलहाल वह श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के कोच के तौर पर अपना दायित्व निभा रहे हैं। अब तक सिर्फ तीन क्रिकेटर ही ऐसे हुए हैं जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 20 हजार से ज्यादा रन और 200 से ज्यादा विकेट लिए हैं। इनमें जयसूर्या भी शामिल हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 586 मैच खेले। इसमें उन्होंने 21,032 रन बनाए। उनका बल्लेबाजी औसत 34.1 का रहा। वहीं, उन्होंने 35.7 की गेंदबाजी औसत से 440 विकेट चटकाए। इस मामले में सिर्फ दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर जैक कैलिस ही उनसे ऊपर हैं। कैलिस ने 519 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 49.1 की औसत से 25,534 रन बनाए। इसके अलावा कैलिस ने 32.1 की गेंदबाजी औसत से 577 विकेट भी लिए। इस लिस्ट में सचिन तेंदुलकर तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने 664 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 48.5 की बल्लेबाजी औसत से 34,357 रन बनाए और 46.5 की गेंदबाजी औसत से 201 विकेट लिए।

2024 से सिराज को नहीं मिला पांच विकेट हॉल

बुमराह की गैरमौजूदगी पड़ ना जाए भारी; कुलदीप पर नजरें

खेल एजेंसी

बर्मिंघम। भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा मुकाबला दो जुलाई से खेला जाएगा। इस मैच में अगर बुमराह को आराम मिलता है तो तेज गेंदबाजी आक्रमण के नेतृत्व की जिम्मेदारी मोहम्मद सिराज पर होगी। हालांकि, सिराज फॉर्म से बाहर चल रहे हैं। 2024 से उन्होंने टेस्ट 19 पारियों में 28 विकेट हासिल किए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला हार चुकी भारतीय टीम दूसरे टेस्ट में वापसी करना चाहेगी। दूसरा मैच एजबेस्टन में खेला जाएगा, जिसमें जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा सकता है। लीड्स टेस्ट में बुमराह ने 14वीं बार पांच विकेट हॉल लेकर इंग्लैंड पर काफी हद तक दबाव बनाया था लेकिन उन्हें अन्य गेंदबाजों का साथ नहीं मिला। मोहम्मद सिराज प्रभावी गेंदबाजी नहीं कर पाए जबकि प्रसिद्ध कृष्णा महंगे साबित हुए। भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा मुकाबला दो जुलाई से खेला जाएगा। इस मैच में अगर बुमराह को आराम मिलता है तो तेज गेंदबाजी आक्रमण के नेतृत्व की जिम्मेदारी मोहम्मद सिराज पर होगी। हालांकि, सिराज फॉर्म से बाहर चल रहे हैं। 2024 से उन्होंने टेस्ट 19 पारियों में 28 विकेट हासिल किए हैं। हालांकि, उन्हें एक बार भी पांच विकेट हॉल नहीं मिला है। इस दौरान सिराज

का औसत 37.5 का रहा है। वहीं, एजबेस्टन में उनके रिकॉर्ड पर नजर डालें तो उन्होंने सिर्फ एक मुकाबला खेला है। 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए इस मुकाबले में सिराज को पहली पारी में चार विकेट मिले थे। हालांकि, दूसरी पारी में उनके हाथ खाली रहे। लीड्स टेस्ट में 31 वर्षीय गेंदबाज को सिर्फ दो विकेट मिले और उन्होंने 173 रन लुटाए थे। वहीं, प्रसिद्ध कृष्णा ने 200 से ज्यादा रन खर्च किए, जिसका असर मैच के नतीजे पर पड़ा। अब अगर बुमराह आगामी मुकाबले में नहीं खेलेंगे तो सिराज, प्रसिद्ध और शार्दुल पर सभी की नजरें रहेंगी। आमतौर पर एजबेस्टन की पिच स्पिन गेंदबाजों के लिए लाभदायी होती है। यही वजह है कि माइकल क्लार्क और मोहम्मद अजहरुद्दीन जैसे दिग्गजों ने कुलदीप यादव को प्लेइंग 11 में शामिल करने पर जोर दिया है। दोनों को पिच के सूखे रहने की उम्मीद है। क्लार्क ने बियॉन्ड23 पॉडकास्ट में कहा, गेंदबाजी के लिहाज से मैं किसी एक खिलाड़ी पर ज्यादा जोर नहीं देना चाहता, लेकिन मुझे लगता है कि उन्हें कुलदीप यादव को खिलाना चाहिए। मुझे लगता है कि यह बिल्कुल आसान है। वह विकेट लेने वाला गेंदबाज है। भारत के लिए 2017 में टेस्ट डेब्यू करने वाले कुलदीप अब तक 13 टेस्ट मैच खेल चुके हैं। इनमें उन्होंने 3.55 की इकोनॉमी से गेंदबाजी करते हुए 56 विकेट हासिल किए। इंग्लैंड में उन्होंने अबतक सिर्फ एक मैच खेला है, वो भी लॉर्ड्स में। 2018 में उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ उनकी धरती पर खेलने का मौका मिला था, लेकिन वह एक भी विकेट हासिल नहीं कर पाए थे। अब अगर उन्हें मौका मिलता है तो वह अपने प्रदर्शन से प्रभाव डालने की कोशिश करेंगे। इंग्लैंड के खिलाफ कुलदीप ने अब तक छह टेस्ट मैच खेले हैं। इनमें उन्होंने 21 विकेट हासिल किए हैं। हालांकि, ये सभी मैच भारतीय धरती पर खेले गए हैं।

भारत का स्कोर 100 के पार, विहान-मौल्यराजसिन्ह क्रीज पर; वैभव 45 रन बनाकर लौटे

खेल एजेंसी

नॉर्थैम्पटन। *भारत की अंडर-19 टीम का इंग्लैंड की अंडर-19 टीम से पांच मैचों की वनडे सीरीज में सामना हो रहा है। आज इस सीरीज का दूसरा मुकाबला नॉर्थैम्पटन में खेला जा रहा है। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है। भारत की अंडर-19 टीम का इंग्लैंड की अंडर-19 टीम से पांच मैचों की वनडे सीरीज में सामना हो रहा है। आज इस सीरीज का दूसरा मुकाबला नॉर्थैम्पटन में खेला जा रहा है। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है। भारत ने दो विकेट पर 100 से ज्यादा रन बना लिए हैं। विहान और चावड़ा क्रीज पर मौजूद हैं। आयुष म्हात्रे के नेतृत्व में भारतीय टीम पहला मुकाबला जीतकर 1-0 से आगे चल रही है। शुक्रवार को होव में खेले गए पहले मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने 42.2 ओवर में 10 विकेट पर 174 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम ने 24 ओवर में चार विकेट पर 178 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया था। भारतीय टीम अब इंग्लैंड को दूसरे मैच में भी मात देना चाहेगी।*

दैनिक नवनीत एक्सप्रेस
राष्ट्रवादी विचार धारा | जय लोकपति सरकार
ग्वालियर,भोपाल से एक साथ प्रकाशित | संपादक: महेन्द्र तिवारी | न डरते है न डराते है, सच उजागर करते है

ब्रीफ न्यूज़

पदोन्नति नियम जारी करने के बाद मांगी सीआर

भोपाल। पदोन्नति के नए नियम जारी करने और 31 जुलाई तक पहली पदोन्नति देने के फैसले के बीच सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने मंत्रालय सेवा के प्रथम और द्वितीय श्रेणी के अफसरों को सोमवार तक हर हाल में अपनी सेल्फ असेसेमेंट (सीआर) ऑनलाइन भेजने के निर्देश दिए हैं। इस अवधि में सीआर न देने पर सीआर ब्लैंक होने और पदोन्नति पर पड़ने वाले असर के लिए अधिकारी खुद जिम्मेदार होंगे। जीएडी ने असेसमेंट सीआर पर अभिमत देने के लिए सीनियर अफसरों की भी टाइम लिमिट तय कर दी है। जीएडी ने कहा है कि 27 मार्च 2025 को सरकारी कर्मचारियों के वर्ष 2024-25 की सीआर जारी करने को लेकर समय सीमा तय कर इसके निर्देश जारी किए गए थे। ऐसा नहीं होने पर सीनियर अफसर को संबंधित अधिकारी की सीआर ब्लैंक फारवर्ड हो जाएगी और इस तरह की स्थिति आगे के वरिष्ठ अफसरों के साथ भी होगा जिसका नुकसान संबंधित अफसरों को होना तय है।

मंडे मानसून अपडेट- 15 दिन में 6.8 इंच बारिश

भोपाल। मध्यप्रदेश में मानसून की एंट्री को आज (30 जून) 15 दिन हो रहे हैं। 16 जून को मानसून एंटर हुआ था, तभी से प्रदेश में तेज बारिश का दौर जारी है। अब तक औसत 6.8 इंच बारिश हो चुकी है, जो 2 इंच ज्यादा है। ग्वालियर-चंबल संभाग के श्योपुर, मुरैना, शिवपुरी और अशोकनगर के अलावा निवाड़ी जिले में सबसे अधिक पानी गिर चुका है, लेकिन शाजापुर, बालाघाट, नरसिंहपुर, बैतूल और बुरहानपुर पिछड़े हुए हैं। इसके बाद भी ओवरऑल तस्वीर बेहतर है। मध्यप्रदेश में मानसूनी सीजन में आमतौर पर 949 मिमी यानी 37.36 इंच बारिश होती है। इसमें से अब तक 172 मिमी यानी, 6.8 इंच बारिश हो चुकी है, जो सीजन का 10 प्रतिशत है। इस साल जून में तय कोटे से ज्यादा बारिश हो चुकी है। अब करीब 60 प्रतिशत बारिश जुलाई और अगस्त में हो सकती है। बाकी पानी सितंबर में गिरेगा।

ग्वालियर में 332 बदमाशों- हिस्ट्रीशीटर के घर पहुंची पुलिस

ग्वालियर। ग्वालियर में रविवार-सोमवार दरमियानी रात पुलिस ने कॉम्बिंग गश्त कर कार्रवाई की। पांच घंटे की इस कार्रवाई में पुलिस की 50 से ज्यादा टीमों ने शहर और देहात के इलाकों में दबिश दी। इस दौरान 201 वारंटियों को गिरफ्तार कर हवालात भेजा गया। इसके अलावा, पुलिस टीमों ने रातभर में 332 निगरानी बदमाशों के घर जाकर चेक किया कि वे पिछले दिनों में क्या गतिविधियां कर रहे हैं। इनमें से 158 पुराने गुंडे और 174 हिस्ट्रीशीटर शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों ने उनसे पूछताछ करते हुए जानने की कोशिश की कि वे फिलहाल किस काम में लगे हैं, घर का खर्च कैसे चला रहे हैं और कहीं किसी अपराध में तो शामिल नहीं हैं। रविवार रात ग्वालियर में बारिश के बीच जब लोग घरों में थे, तभी पुलिस ने 11 बजे से कॉम्बिंग गश्त शुरू की। डबरा में एक गिरफ्तारी वारंटी को पकड़ने गई टीम को विरोध का सामना करना पड़ा। आरोपी छत से कूदकर भागा, लेकिन घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया। कई स्थानों पर बदमाशों के परिजनों ने विरोध किया, लेकिन पुलिस ने कार्रवाई जारी रखी।

इंदौर से जम्मू की फ्लाइट शुरू करने की मांग

इंदौर। इंदौर से जम्मू के लिए फ्लाइट को दोबारा शुरू करने की मांग ट्रैवल एजेंट्स ने की है। दरअसल, इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट से जम्मू के लिए संचालित होने वाली फ्लाइट को ऑपरेशन सिंदूर के वक्त अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। लेकिन अब तक एयरलाइंस ने इस रूट पर उड़ान शुरू नहीं की है। अमरनाथ यात्रा के चलते इस रूट की मांग काफी बढ़ गई है, लेकिन सीधी उड़ान बंद होने से यात्रियों को वैकल्पिक फ्लाइट्स का सहारा लेना पड़ रहा है। दिल्ली होकर जम्मू पहुंचने में अब ज्यादा समय और खर्च दोनों लग रहे हैं। इंदौर एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, जम्मू के लिए उड़ान को एयरलाइन ने अभी तक अपने शेड्यूल में शामिल नहीं किया है। पहलगाम हमले से पहले इस फ्लाइट की मांग काफी थी। यात्री इंदौर से जम्मू जाकर वैष्णो देवी और श्रीनगर जैसे स्थलों पर जाते थे। वापसी में भी कई यात्री इसी फ्लाइट का उपयोग करते थे। फ्लाइट की सीधी सेवा से लोग सिर्फ दो घंटे में जम्मू पहुंच जाते थे। ट्रैवल एजेंटों ने मांग की है कि इस रूट पर उड़ान को जल्द से जल्द फिर से शुरू किया जाए।

मेडिकल कॉलेज में व्यवहारिक आवश्यकतानुसार कुशल मैनपॉवर की व्यवस्था के लिए तैयार करें प्रस्ताव

नर्सिंग संवर्ग के रिक्त पदों पर सीधी भर्ती के लिए आवश्यक प्रक्रिया शीघ्र करें पूर्ण :उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

मानव संसाधन सुदृढ़ीकरण और चिकित्सा सेवाओं की वृहद समीक्षा की

नगर संवाददाता

भोपाल,उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने निर्देश दिए हैं कि नर्सिंग संवर्ग के रिक्त पदों पर सीधी भर्ती के लिए भर्ती नियमों में आवश्यक संशोधन कर कर्मचारी चयन मण्डल को त्वरित रूप से मांग पत्र प्रेषित किए जाएं। साथ ही फार्मासिस्ट ग्रेड-2, नेत्र सहायक तथा ओ.टी. टेक्नीशियन के पदों की पूर्ति हेतु भी भर्ती प्रक्रिया शीघ्र आरंभ करने के निर्देश दिए गए। मेडिकल कॉलेजों में आउटसोर्स पद्धति से नियुक्ति संबंधी वर्तमान व्यवस्था में केवल अकुशल पदों की स्वीकृति है, जबकि विभागीय समिति द्वारा कुशल पदों की आवश्यकता को रेखांकित किया गया है। इस विषय में व्यावहारिक आवश्यकताओं के दृष्टिगत प्रस्ताव तैयार कर केबिनेट में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जिससे उच्च स्तरीय सेवाओं का विधिवत एवं गुणवत्तापूर्ण प्रदाय सुनिश्चित हो सके। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय भोपाल में विभागीय योजनाओं, भर्ती प्रक्रिया, अधोसंरचना विकास, मानव संसाधन सुदृढ़ीकरण और चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता की वृहद समीक्षा कर महत्वपूर्ण निर्देश दिए। बंधपत्रधारी चिकित्सकों की बेहतर उपयोगिता के लिए ओरिएंटेशन के निर्देश उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने ग्वालियर मेडिकल कॉलेज में कार्डियोथोरेसिक एवं वैस्कुलर सर्जरी (सीटीवीएस) विभाग की स्थापना हेतु प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए, जिससे हृदय रोगों विशेषकर बायपास सर्जरी की सुविधा ग्वालियर संभाग में सुलभ हो सके। इसी प्रकार इंदौर मेडिकल कॉलेज में नवजात एवं बाल चिकित्सा (पीडियाट्रिक्स/नियोनेटोलॉजी) विभाग की

स्थापना की कार्यवाही शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने पूर्व की निवेश नीति के अंतर्गत लंबित प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण के लिए कहा। बंधपत्रधारी चिकित्सकों की जिला स्तर पर कलेक्टर एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की उपस्थिति में अभिमुखीकरण (ओरिएंटेशन) करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों को सेवा की महत्ता, दायित्व एवं प्रभावी संचालन के लिए प्रेरित करना और ज़िम्मेदारियों से अवगत होना आवश्यक है ताकि उनकी उपयोगिता को बेहतर बनाकर स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ किया जा सके। फार्मेसी कार्उंसिल में पंजीयन एवं नियामक प्रक्रियाओं को सरल एवं पारदर्शी बनाने के दिए निर्देशउप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने एचआरपी (हाई रिस्क प्रेगनेंसी) केंद्रों पर धात्री महिलाओं के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं एक ही कक्ष में उपलब्ध कराने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। जिससे उनकी देखभाल सहज, सुरक्षित और समेकित रूप में संभव हो सके। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने फार्मेसी काउंसिल में पंजीयन एवं नियामक प्रक्रियाओं को सरल एवं पारदर्शी बनाने के लिए नियमों में आवश्यक परिवर्तन की कार्यवाही की समीक्षा की और शीघ्र प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत 600 आयुष मेडिकल ऑफिसर की नियुक्ति की प्रक्रिया को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला अस्पतालों में फोरेंसिक विशेषज्ञों की नियुक्ति के लिए भी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए, ताकि कानूनी प्रकरणों एवं पोस्टमार्टम संबंधी कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके।

मेडिकल कॉलेजों में ऑन्को सर्जरी विभाग की स्थापना के निर्देश

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने आउटसोर्स मॉडल पर मेडिकल कॉलेजों में कैथ लैब की स्थापना के लिए दिशा-निर्देशों पर भी चर्चा की। उन्होंने प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर स्वस्थ भारत योजना (पीएम-अभीम) अंतर्गत स्वीकृत राशि का उपयोग वर्ष 2026 तक पूर्ण रूप से सुनिश्चित किए जाने के लिए समयबद्ध योजना तैयार कर आवश्यक कार्यवाही प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रदेश के प्रमुख मेडिकल कॉलेजों में ऑन्को सर्जरी विभाग की स्थापना के लिए कार्य योजना को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे प्रदेश के हर क्षेत्र में कैंसर रोगियों को उत्कृष्ट उपचार सुविधा मिल सके। बैठक में प्रमुख सचिव श्री संदीप यादव एवं आयुक्त श्री तरुण राठी उपस्थित रहे।

खंडवा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का उद्बोधन

नगर संवाददाता

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा कि आज भी दादा धूनीवाले के तप, साधना और त्याग की स्मृतियाँ पूरे प्रदेश में लोगों को प्रेरित करती हैं। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने जल और संयमित जीवन शैली पर आधारित सनातन परंपरा की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि वैज्ञानिक आज भी शोध कर रहे हैं। उन्होंने मात्र जल से वर्षों तपस्यारत संतों की साधना को सनातन संस्कृति की शक्ति बताया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 1400 वर्ष पूर्व शंकराचार्य जी के दक्षिण से उत्तर भारत तक के अभियान की स्मृति का उल्लेख किया और उन्हें सनातन धर्म की पुनर्स्थापना का अग्रदूत बताया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आतंकवाद के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक और सेना की पराक्रम पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व को युगांतरकारी बताया। जलगंगा अभियान में 2.39 लाख जलदूतों के सक्रिय योगदान की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश की 300 से अधिक नदियाँ देश को जीवन देती हैं। नर्मदा, ताप्ती, सोन जैसी नदियों की पावन यात्रा और उनकी वैज्ञानिक व सांस्कृतिक महत्ता का उल्लेख किया। प्रदेश की 57 नदियों में गिरने वाले 194 से अधिक नालों की पहचान कर शोधन योजना लागू की गई है। 4000 से अधिक किसान ड्रिप व स्प्रिंकलर पद्धति से जुड़ रहे हैं। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत 36 जिलों में 91 परियोजनाएँ चल रहीं हैं, जिससे 27,000 हेक्टेयर भूमि सिंचित हो रही है। जलगंगा संवर्धन अभियान के समापन कार्यक्रम में कुल 15,000 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमि पूजन संपन्न हुआ। चार सिंचाई परियोजनाओं और नदी जोड़ योजनाओं के ज़रिए निमाड़-मालवा के तापमान में 4 डिग्री तक कमी आई है। सिंचित क्षेत्र 7 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 55 लाख हेक्टेयर हुआ। प्रधानमंत्री श्री मोदी की विशेष पहल पर 1 लाख करोड़ की योजना से बुंदेलखंड के जल संकट का समाधान किया जा रहा है। बाबा महाकाल महालोक की तर्ज पर ओंकारेश्वर महालोक बनाने की घोषणा की गई। हेलीकॉप्टर सेवा व फोरलेन मार्ग की सुविधा भी शीघ्र मिलेगी। खंडवा-इंदौर रेल लाइन, खंडवा बायपास, खंडवा-मुंदी मार्ग सहित ?274 करोड़ से अधिक की सड़क योजनाओं की घोषणाएँ की गईं। खंडवा ने 1 लाख से अधिक कुओं को रिचार्ज कर जल संरक्षण में देशभर में प्रथम स्थान पाया। अमृत सरोवर टू योजना में 1000 नए सरोवर बनेंगे रक्षाबंधन पर ?250 की राशि और दीपावली से ?1500 प्रतिमाह की राशि की घोषणा। वर्ष 2026 तक यह राशि बढ़कर ?3000 प्रतिमाह की जाएगी। 10वीं-12वीं में 75त्न से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को लैपटॉप, सभी बच्चों को साइकिल व ड्रेस हेतु राशि दी जाएगी। 3000 महिलाओं के निजी खेतों पर 'बगिया माँ के नाम' के तहत ?900 करोड़ की योजना से 30 लाख पौधारोपण। बाड़बंदी, खाद, सिंचाई, मजदूरी की संपूर्ण राशि सरकार वहन करेगी। अस्थायी कृषि विद्युत कनेक्शन वाले किसानों को मात्र ?5300 में सोलर पंप उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे बिजली बिल से मुक्ति मिलेगी। दो लाख से अधिक नए पद भरे जाएंगे। 9 वर्षों से रुके हुए प्रमोशन मामलों को निराकरण कर पाँच लाख कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। प्रदेश में 55 एक्सीलेंस कॉलेज स्थापित। 600 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से सर्वाधिक गेहूं उपार्जन हुआ। दुर्घटना में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुँचाने पर ?25,000 की सहायता। गंभीर अवस्था में एयर एम्बुलेंस से इलाज हेतु स्थानांतरण की सुविधा। खंडवा बायपास (?20 करोड़), सिरपुर फाटा सड़क (?100 करोड़), खंडवा-मुंदी मार्ग (?154 करोड़) की स्वीकृति प्रदान की गई।

जूनियर डॉक्टर्स ने लगाया हेल्थ कैंप

नगर संवाददाता

भोपाल। बढ़ती उम्र के साथ स्वास्थ्य की चुनौतियों से जूझ रहे वृद्धजनों के लिए गांधी मेडिकल कॉलेज के सामुदायिक चिकित्सा विभाग के निर्देशन में एक खास पहल की गई। आनंदधाम वृद्धजन सेवा केन्द्र पर जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन मध्य प्रदेश, एमिटी हेल्थकेयर सोसाइटी और इंडियन डेंटल एसोसिएशन भोपाल ने संयुक्त रूप से निःशुल्क हेल्थ कैंप का आयोजन किया। इस शिविर में वरिष्ठ नागरिकों के लिए नेत्र रोग, दंत रोग, हड्डी रोग, चर्म रोग, मानसिक रोग और मेडिसिन के विशेषज्ञों ने परामर्श और उपचार दिया। बीपी, शुगर, हीमोग्लोबिन सहित कई रक्त संबंधी जांचें की गईं। तीन वृद्धजनों में मोतियाबिंद और 5 में मानसिक समस्याओं की पहचान की गई, जिन्हें आगे इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल में बुलाया गया है। शिविर की खास बात यह रही कि एमबीबीएस विद्यार्थियों ने वृद्धजनों के साथ समय बिताया और उनके जीवन के अनुभवों को सुना। यह संवाद सिर्फ चिकित्सा से नहीं, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव से भी भरपूर रहा।

गौ तस्करी में मारे गए जुनैद का वीडियो

बोला- बजरंगियों ने मारा, झूठ बुलवाया; पीटने के आरोप में अबतक 3 अरेस्ट

नगर संवाददाता

भोपाल। रायसेन में 5 जून को गौरक्षा के नाम पर बेरहमी से पीटे गए जुनैद कुरैशी की मौत से पहले का एक वीडियो सामने आया है। यह वीडियो हमीदिया अस्पताल का है। जहां इलाज के दौरान जुनैद ने खुद बताया था कि मुझे बजरंग दल के लोगों ने मारा, जबरन अपनी मर्जी की बातें बुलवाईं। इलाज के दौरान हमीदिया अस्पताल में रिकॉर्ड हुए वीडियो में जुनैद कहता है कि गाड़ी लेकर मैं बैतूल मेले में जा रहा था। कुछ नहीं किया था, फिर भी पकड़कर मारा। मुझे कहा गया कि भोपाल ले जा रहे हो, झूठे आरोप लगाए और झूठ बुलवाया गया। जुनैद ने यह भी बताया था कि उसके दोस्त अरमान को भी बहुत मारा है। वह उसी समय बेहोश हो गया था। उस समय 10 से 15 लोग थे। जुनैद ने खुद को भोपाल के जिंसी क्षेत्र का निवासी बताया और कहा कि मूल रूप से सिरोंज का रहने वाला हूं। साथ ही उसने ये भी कहा कि उस पर भी पुलिस ने एफआईआर की है, जिसमें अभी उसे जमानत नहीं मिली है। 5 जून की रात जुनैद और उसका साथी अरमान 6 गाय लेकर धनोरा से सिरोंज लौट रहे थे। रास्ते में रायसेन जिले के मेगांव के पास उनकी गाड़ी को 20-25 लोगों के एक समूह ने रोक लिया, जो खुद को बजरंग दल कार्यकर्ता बता रहे थे। इसके बाद दोनों युवकों को सांची-रायसेन के बीच जंगल में ले जाकर रातभर पीटा गया। परिजन को जुनैद और अरमान अगले दिन गंभीर हालत में विदिशा अस्पताल में मिले। वहां से उन्हें भोपाल के हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान जुनैद की मौत हो गई। अरमान की स्थिति अभी भी गंभीर है। बता दें कि इस मामले में अभी तक तीन लोगों की गिरफ्तारी हुई है। जिनमें ध्रुव चतुर्वेदी और गगन दुबे (दोनों विदिशा निवासी) और रामपाल राजपूत (करारिया) शामिल हैं।

भोपाल में तालाब में मिला नाबालिग का शव

नगर संवाददाता

भोपाल। बैरसिया थाना इलाके में रविवार को दोस्तों के साथ नहाने गए नाबालिग की डूबने से मौत हो गई। सोमवार सुबह एसडीआरएफ की टीम ने बच्चे के शव को तलाश कर पीएम के लिए भेजा। बैरसिया पुलिस हादसे की जांच कर रही है। इस मामले में नाबालिग के दोस्तों और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए जाएंगे। बैरसिया थाना प्रभारी वीरेंद्र कुमार सेन ने बताया कि ग्राम ललरिया निवासी संभू खान अपने परिवार के साथ रहते हैं। रविवार की शाम गांव में बारिश हो रही थी। तभी उनका बेटा तोहिद (13) आस पड़ोस के बच्चों के साथ बारिश में नहाने के लिए निकला था। वह दोस्तों के साथ गांव में बने तालाब में नहाने पहुंचा। यहां नहाते वक्त वह गहरे पानी में डूब गया। बारिश के चलते किसी ने नाबालिग पर ध्यान नहीं दिया। गांव लौटे दोस्तों ने उसके संबंध में कोई जानकारी नहीं दी। देर शाम तक जब वह घर नहीं लौटा, तो परिजन उसे तलाश करते हुए तालाब पर पहुंचे। जहां पर तालाब के किनारे उसकी चप्पल रखी हुई थी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

---

59 चिकित्सा शिक्षकों की चयन सूची ज़ारी

मेडिकल कॉलेज में योग्य एवं अनुभवी संकाय की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सरकार संकल्पित: उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

नगर संवाददाता

भोपाल, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि प्रदेश सरकार द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं एवं चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में समन्वित रूप से संसाधनों और मानवबल को सशक्त किया जा रहा है, ताकि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा समय पर और सुलभ रूप से प्राप्त हो सके। प्रदेश सरकार का संकल्प है कि प्रत्येक

शासकीय मेडिकल कॉलेज में योग्य एवं अनुभवी संकाय की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने चयनित 59 चिकित्सा शिक्षकों को शुभकामनाएँ देते हुए अपेक्षा व्यक्त की कि वे सेवा, संवेदना और पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि यह नियुक्तियाँ चिकित्सा शिक्षा संस्थानों में शिक्षा व्यवस्था को मजबूती देंगी। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश में चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ एवं सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से अप्रैल 2025 में प्राध्यापक, सह-प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक के शैक्षणिक पदों की भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ की गई थी। इनमें प्राध्यापक के 90, सह-प्राध्यापक के 179 एवं सहायक प्राध्यापक के 201 इस प्रकार कुल 470 शैक्षणिक पद शामिल हैं। उक्त प्रक्रिया के अंतर्गत प्रथम चरण में जून माह में कुल 59 चिकित्सा शिक्षकों की चयन सूची जारी की गई है। इनमें 11 प्राध्यापक, 08 सह-प्राध्यापक एवं 40 सहायक प्राध्यापक सम्मिलित हैं।

बिना लाइसेंस चल रहे क्लिनिक्स को किया बंद

सीएमएचओ कार्यालय की टीम ने किया निजी स्वास्थ्य संस्थाओं का निरीक्षण

नगर संवाददाता

भोपाल मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल कार्यालय द्वारा निजी अस्पतालों और क्लिनिक्स की जांच निरंतर की जा रही है।जिसमें नियम विरूद्ध संचालित निजी स्वास्थ्य संस्थाओं पर कार्यवाही भी की जा रही है। सोमवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा अस्पतालों और क्लिनिक्स की जांच की गई। इस दौरान मप्र उपचार्यगृह एवं रूज़ोपचार संबंधी स्थापना अधिनियम के प्रावधानों के तहत सेवाओं का निरीक्षण किया गया। नवोदय कैंसर अस्पताल की जांच के दौरान बायो मेडिकल वेस्ट कंटेनर खुले पाए गए। बायोमेडिकल वेस्ट, कचरे एवं अन्य अपशिष्ट के नियमानुसार निस्तारण न करने, साफ-सफाई व्यवस्था सुधारने के लिए अस्पताल को नोटिस जारी किया जा रहा है। निरीक्षण दल द्वारा अस्पताल आने वाले मरीजों और परिजनों के बैठने के लिए बेहतर व्यवस्था किए जाने के निर्देश दिए गए। बैरसिया के अचारपुरा मार्ग ईंटखेड़ी में संचालित क्लिनिक में ऐश्वर्या शर्मा नाम की महिला इलाज करते हुए मिलीं। क्लीनिक में संतोषी शर्मा के नाम से इलेक्ट्रो होम्योपैथी का पंजीयन पाया गया। संचालक द्वारा बताया गया कि क्लीनिक का पंजीयन सीएमएचओ कार्यालय में नहीं करवाया गया है। अपंजीकृत क्लीनिक पर अनाधिकृत प्रैक्टिस करते पाए जाने पर इसका संचालन बंद करवाया गया है। रॉयल मार्केट में संचालित क्यूर इमेजिंग एंड स्कैन सेंटर में क्लीनिक पंजीयन की वैधता समाप्त हो जाने के कारण पंजीयन नवीनीकरण न होने तक केंद्र को बंद रखा जाने के निर्देश दिए गए हैं। नर्सिंग होम एंड क्लिनिक निरीक्षण दल द्वारा वल्लभ नगर में चल रहे विंध्य डेंटल क्लिनिक का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान चिकित्सक द्वारा अपनी डिग्री एवं रजिस्ट्रेशन प्रस्तुत नहीं किया जा सका, हालांकि यह क्लीनिक सीएमएचओ कार्यालय में पंजीकृत मिला है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. मनीष शर्मा ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा जिले में अलग अलग स्थानों पर चिकित्सा व्यवसाय कर रहे व्यक्तियों की डिग्री, चिकित्सा पद्धति, काउंसिल का पंजीयन, मप्र उपचार्यगृह एवं रूज़ोपचार संबंधी स्थापना अधिनियम, जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन अधिनियम, गुमास्ता लाइसेंस की जांच की जा रही है। इन क्लिनिक्स पर विभाग की टीम नजर रख रही है। स्थानीय पुलिस, नगर निगम एवं प्रशासन का सहयोग भी लिया जा रहा है।

राजधानी भोपाल में बदमाशों का बोलबाला, कानून व्यवस्था को लेकर उठ रहे सवाल

नगर संवाददाता

विशेष संवाददाता मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में पिछले लंबे समय से अपराधियों के हौसले काफी बुलंद है अपराधी आम जनता के ऊपर हमला करने से तो चुके ही नहीं है वहीं पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों पर भी हमला करने से बाद नहीं आ रहे हैं अभी हाल ही में राजधानी भोपाल में सरेआम दो लोगों ने छह राउंड गोलियां चलाकर एक व्यक्ति की हत्या कर दी और रिवाल्वर लहराते हुए फरार हो गए तो वही विप रोड पर दो युवकों ने मोटरसाइकिल पर बैठकर हाथों में तलवार लेकर लोगों को डराते हुए फराटे से निकल गए लॉग इन दोनों घटनाओं के बाद से दहशत में है विप रोड के पास घटित इस घटना ने तो आम लोगों को बहुत गंभीर चिंतन में डाल दिया है विप रोड बड़े तालाब से लगा हुआ है इस रोड पर अनेक महिलाएं लड़कियां बच्चे बड़े और आम आदमी तालाब का आनंद लेने और अपना मनोरंजन करने के उद्देश्य शाम होते ही जाते हैं देर रात तक यहां लोगों की भीड़ तालाब से लगी रेलिंग से खड़ी देखी जा सकती है यहां आने वाले हजारों लोगों को शाम के समय अंधेरे में बड़े तालाब की रोशनी और उसमें चलने वाली नाव को देखकर मनोरंजन करने का मौका मिलता है

स्वत्वाधिकार, स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक महेन्द्र तिवारी द्वारा तिवारी आर्ट्स हाउस नं. 59, जी-सैक्टर, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, अयोध्या नगर भोपाल से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रबंधक संपादक धैर्यवर्धन शर्मा
समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।, मो. 9074692488, 9340719851. Email - navneet.expresss33@.com पीआर.बी. एक्ट के तहत खबरों के लिये जिम्मेदार- RNI-MPHIN/2016/71355